राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार,07अगस्त2020 वर्ष-3, अंक -192 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

नई शिक्षा नीति

कैसे कारगर साबित होगी नई शिक्षा नीति? आज पीएम नरेंद्र मोदी गिनाएंगे फायदे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत ''उच्च शिक्षा में रूपांतरकारी सुधारों पर आयोजित एक सम्मेलन में उद्घाटन भाषण देंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि इस सम्मेलन का आयोजन मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के तहत कवर किए गए शिक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे कि समग्र, बहु-विषयक एवं भविष्य की शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, और शिक्षा में बेहतर पहुंच के लिए प्रौद्योगिकी के समान उपयोग पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इस सप्ताह की शुरुआत में नई शिक्षा नीति-2020 की घोषणा कर देश की 34 साल पुरानी, 1986 में बनी शिक्षा नीति को बदल दिया। नई नीति का लक्ष्य भारत के स्कूलों और उच्च शिक्षा प्रणाली में इस तरह के सुधार करना है कि देश दुनिया में ज्ञान की 'सुपरपॉवर कहलाए। शिक्षा नीति के तहत पांचवीं कक्षा तक के बच्चों की पढ़ाई उनकी मातृ भाषा या क्षेत्रीय भाषा में होगी, बोर्ड परीक्षाओं के महत्व को इसमें कुछ कम किया गया है, विधि और मेडिकल कॉलेजों के अलावा अन्य सभी विषयों की उच्च शिक्षा के एक एकल नियामक का प्रावधान है, साथ ही विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए समान प्रवेश परीक्षा की बात कही गई है। पुरानी नीति के 10+2 (दसवीं कक्षा तक, फिर बारहवीं कक्षा तक) के ढांचे में बदलाव करते हुए नई नीति में 5+3+3+4 का ढांचा लागू किया गया है। इसके लिए आयु सीमा क्रमश॰ 3-8 साल, 8-11 साल, 11-14 साल और 14-18 साल तय की गई है। एम.फिल खत्म कर दिया गया है और निजी तथा सरकारी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए समान नियम बनाए गए हैं। बयान में कहा गया, ''केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल और केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री संजय धोत्रे भी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। कई गणमान्य व्यक्ति राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत करेंगे जिनमें मसौदा एनईपी के लिए गठित समिति के अध्यक्ष और सदस्य के साथ-साथ प्रख्यात शिक्षाविद व वैज्ञानिक भी शामिल हैं। इसमें कहा गया, ''विश्वविद्यालयों के कुलपति, संस्थानों के निदेशक और कॉलेजों के प्रधानाचार्य एवं अन्य हितधारक इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

कोविड-19 के मद्देनजर सभी जिलों में बनाये जाय अस्थाई जेलः योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 महामारी से बचाव के लिये सभी जिलों में अस्थायी जेल बनाने के निर्देश दिये है। अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने गुरूवार को यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी जिलों में अस्थायी जेल बनाने के निर्देश दिये है। इस जेलों में नये कैदियों का रखा जायेगा ताकि कारागारों में कोविड-19 का संक्रमण न फैले। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 63 जिलों में अस्थायी जेल बन गयी है1 बाकी जिलों में भी अस्थायी जेल बनाने के निर्देश जारी किये गये है। उन्होंने कहा कि इसके साथ-साथ कैदी को जेल में ले जाने से पहले कोविड-19 की जांच अवश्य करायें। अवस्थी ने बताया कि गृह विभाग की धारा 188 के तहत 1,72,625 एफआईआर दर्ज करते हुये 3,48,440 लोगों को नामजद किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि मास्क पहनने तथा दो गज की दूरी बनाये रखे। प्रदेश में अब तक 1,16,16,195 वाहनों की सघन चेकिंग में 66,538 वाहन सीज किये गये। चेकिंग अभियान के दौरान 58,50,69,399 रूपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। कालाबाजारी एवं जमाखोरी करने वाले 1,042 लोगों के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत 781 एफआईआर दर्ज किये गये है। फेक न्यूज के तहत 2118 मामलों को संज्ञान में लेते हुए कार्रवाई की गयी हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के 9880 हॉट स्पॉट के 1087 थाना क्षेत्र में 14,09,021 मकानों के 84,77,265 लोगों को चिन्हित किया गया है। इन हाटॅस्पॉट क्षेत्रों में कोरोना पॉजिटिव लोगों की संख्या 36,798 है। इंस्टीट्यूशनल क्वारंटाईन किये गये लोगों की संख्या 18551 है। प्रदेश में हॉटस्पॉट वाले बस्तियों की अनुमानित जनसंख्या 94,08,869 के सापेक्ष 12,161 डोर स्टेप डिलिवरी मिल्क बूथ/मैन के द्वारा दूध वितरित किया गया है। डोर स्टेप डिलिवरी 'फल, सब्जी आदि कुल 14,866 वाहन लगाये गये हैं। अवस्थी ने बताया कि डोर स्टेप डिलिवरी वाले प्रोविजन स्टोर की संख्या 12,902 है। प्रोविजन स्टोर के माध्यम से डिलिवरी करने वालों की संख्या 12,616 है। हॉट स्पॉट क्षेत्रों में कुल 24 प्रचलित सामुदायिक किचन हैं। इन बस्तियों में 13,43,944 राशन काडर पर खाद्यान्न वितरण किया गया है। इसके अतिरिक्त सरकारी संस्थाओं/सामुदायिक किचन के माध्यम से 2,629 नागरिकों को लाभान्वित तथा धार्मिक/स्वैच्छिक संस्थाओं के माध्यम से 579 नागरिकों को लाभान्वित किया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने बुधवार को उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम की 6,357 बसों के माध्यम से 10,06,307 लोगों के यात्रा करने पर संतोष व्यक्त किया है।

आखिर कांग्रेस को करना पड़ा राम मंदिर का सपोर्ट, विरोध करने पर खिसक गई जमीन

यूपी डेस्क। 1885 में अस्तित्व में आई कांग्रेस ने अंग्रेजों के खिलाफ कई आंदोलन चलाए। 1947 में भारत को आजादी दिलाने में कांग्रेस की अहम भूमिका से कोई इनकार नहीं कर सकता है लेकिन आजाद भारत में चले दो आंदोलनों ने कांग्रेस को वो नुकसान पहुंचाया जिसकी कल्पना तक किसी ने नहीं की थी। पहला ऐसा आंदोलन जेपी का था जिसने कांग्रेस की नैतिक ताकत को झकझोर दिया था तो दूसरा आंदोलन श्रीराम मंदिर के निर्माण का था जिसने कांग्रेस की हाथ की ताकत को ही सिरे से उखाड़ कर फेंक दिया। राम मंदिर के मुद्दे पर कांग्रेस को लगातार झटके पर झटका लगता रहा है। राम मंदिर आंदोलन का विरोध करने और समय-समय पर राम विरोधी स्टैंड अपनाने की वजह से कांग्रेस की हाथ से भारत की सत्ता पानी की तरह फिसल गई। कांग्रेस का जनाधार धीरे धीरे खिसकता चला गया।आइए दिखाते हैं कि कांग्रेस ने राम मंदिर निर्माण के मुद्दे पर कब कब और किस तरह से विरोध की नीति अपनाई थी.. कांग्रेस राम मंदिर के मुद्दे पर कभी स्पष्ट रूख तय नहीं कर पाई। राम मंदिर के सवाल पर कांग्रेस पार्टी शुरू से ही ग़लतियां करती चली गई। एक दौर था जब कांग्रेस पार्टी ने कहा था कि रामायण कल्पना मात्र है।कांग्रेस पार्टी के इस रूख से ये साफ हो गया था कि वे राम मंदिर आंदोलन की विरोधी है। 2013 में सुप्रीम कोर्ट में भी कांग्रेसी सकार ने भगवान राम के अस्तित्व को नकारा था। सेतु समुद्रम प्रोजेक्ट के बहस के दौरान कांग्रेसी सरकार ने दिया था विवादित शपथ पत्र। कांग्रेसी सरकार ने शपथ पत्र में कहा था कि भगवान श्रीराम कभी पैदा ही नहीं हुए थे। कांग्रेसी सरकार ने शपथ पत्र में कहा था कि भगवान श्रीराम केवल कोरी कल्पना हैं। कांग्रेसी सरकार के शपथ पत्र से हिंदू समाज की आस्था पर गहरी ठेस लगी थी। कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने तीन तलाक और हलाला की तुलना राम से की थी।

मुंबई बारिशः दादर में यूं ढह गया मकान...सीएम ठाकरे ने की तैयारी की समीक्षा

मुंबई। ठाणे जिले के जिले के मीरा-भायंदर शहर में लगातार बारिश के कारण एक जर्जर चार मंजिला इमारत का एक हिस्सा ढह गया। वार्ड अधिकारी दामोदर संखे ने बृहस्पतिवार को बताया कि यह इमारत तलाओ रोड पर स्थित है। इसे खतरनाक घोषित किया गया था। अधिकारी अब इसे गिरा रहे हैं। मीरा-भायंदर नगर निगम के एक दमकल अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश की वजह से 35 साल पुरानी इमारत का एक हिस्सा गिर गया। इसके बाद दमकलकर्मी और स्थानीय आपदा प्रकोष्ठ के कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि इस इमारत में 150 फ्लैट हैं, जिन्हें मार्च में ही खाली करा लिया गया था। इससे पहले महाराष्ट्र में मुंबई और अन्य इलाकों में लगातार भारी बारिश के बाद राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को प्रशासन की तैयारियों की समीक्षा की। कोल्हापुर में पंचगंगा नदी खतरे के निशान को छू रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में ठाकरे ने अधिकारियों को सतर्क रहने और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस दौरान लोगों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अधिकारियों से भी बातचीत की। बयान में कहा गया कि बुधवार से बृहस्पतिवार सुबह आठ बजकर 30 मिनट तक मुंबई में 331.08 मिमी बारिश हुई जबकि उपनगरों में बुधवार से 162.3 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं शहर में 106 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चली जबकि अन्य स्थानों पर हवा की रफ्तार 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंट किलोमीटर प्रति घंट किलोमीटर प्रति घंट किलोमीटर प्रति घंटा थी। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों से हवा की वजह से गिरे पेड़ों को तेजी से हटाने का आदेश दिया है।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू कश्मीर की जिम्मेदारी सौंप मोदी ने जताया सिन्हा पर बड़ा भरोसा

गाजीपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व गाजीपुर के विकास पुरुष कहे जाने वाले मनोज सिन्हा को देश के सबसे संवेदनशील जम्मू कश्मीर का उपराज्यपाल बनाए जाने के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। एक तरफ जहां कुछ राजनीति के अति उत्साही जानकारों ने सिन्हा के इस नियुक्ति को उनको राजनीति के हाशिए पर धकेलना बताया तो वहीं काफी बड़ी तादाद उन लोगों की भी रही जिन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जम्मू कश्मीर रणनीति का एक बड़ा हिस्सा है। ऐसे में धारा 370 समापन के ठीक एक वर्ष बाद जब वहां कुछ रचनात्मक कार्य संपादित करने हैं ऐसे में मनोज सिन्हा की नियुक्ति नरेंद्र मोदी का बड़ा दाव है। इस बात को बल इसलिए भी मिल जाता है क्योंकि वर्तमान सरकार के प्रथम कार्यकाल में प्रधानमंत्री उन्हें अपने नवरत्नों में शामिल किए हुए थे। आज भी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह की नजर में मनोज सिन्हा की कीमत किसी नायाब हीरे से कम नहीं है। गौरतलब हो कि मनोज सिन्हा के जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल नियुक्त होने के बाद जिले में सोशल मीडिया पर भूचाल सा आ गया। बधाइयों का तांता लग गया। ऐसे में कुछ कथित राजनीति के भविष्यवक्ता ऐसे भी थे जिन्होंने कयास लगाना शुरू कर दिया कि उपराज्यपाल बनाकर मनोज सिन्हा को राजनीति के हाशिए पर धकेला जा रहा है। दूसरी ओर काफी बड़ी तादाद में राजनीतिक, विशेषज्ञ, बुद्धिजीवी और तमाम लोगों ने एक सुर में कहा कि वर्तमान परिस्थिति में जम्मू-कश्मीर देश ही नहीं बल्कि विश्व के तमाम बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्षों व संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था की नजर में रहता है।

दिल्लीः पीड़ित बच्ची से मिलने पहुंचे केजरीवाल

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के पश्चिम बिहार इलाके में 12 वर्षीय एक बच्ची के साथ एक अज्ञात व्यक्ति ने दुष्कर्म की कोशिश की। बच्ची के शरीर पर चोट के निशाना हैं और उसकी हालत नाजुक है। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बच्ची से मिलने अस्पताल पहुंचे। केजरीवाल ने कहा कि मैंने कमिश्नर रे बात की है। पुलिस आरोपियों को पकड़ने में लगी है। सरकार आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएगी। उन्होंने कहा कि पीड़ित बच्ची के परिजनों को 10 लाख रुपए दिए गए हैं। वहीं, इस मामले पर राजनीति शुरू हो गई है। महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर दिल्ली सरकार के खिलाफ एम्स में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि पश्चिमी दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में 12 साल की एक बच्ची के साथ एक अज्ञात व्यक्ति ने दुष्कर्म की कोशिश की। बच्ची के शरीर पर चोट के निशान हैं और अभी उसकी हालत नाजुक है। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार की है। अभी आरोपी गिरफ्त से बाहर है लेकिन उसे जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। आरोपी का पता लगाने के लिए पुलिस पड़ोसियों से पूछताछ करने के साथ ही आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने कहा कि उन्हें घटना की सूचना मंगलवार शाम को मिली। पड़ोसियों ने पीड़िता को खून से लथपथ देखने के बाद पुलिस और उसके माता-पिता को सूचना दी। पीड़िता को पास के ही एक अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे ढ्ढढ्ढरू के लिए रेफर किया गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मुकद्दमा दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने बच्ची से गलत हरकत करनी चाही तो उसने विरोध किया।

भारत में कोरोना से ठीक होने की दर बढ़कर 67.62 प्रतिशत, मृत्युदर में आई गिरावट

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत में कोविड -19 से ठीक हो चुके रोगियों की संख्या 13,28,336 हो गई है और इसी के साथ बृहस्पतिवार को स्वस्थ होने की दर सुधर कर 67.62 प्रतिशत हो गई। वहीं, मृत्यु दर घटकर 2.07 प्रतिशत रह गई। मंत्रालय ने बताया कि ठीक हो चुके मरीजों की संख्या अभी उपचाराधीन लोगों की संख्या से 7,32,835 ज्यादा है। मंत्रालय ने कहा कि अभी देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 5,95,501 है। यह कुल मामलों के प्रतिशत के रूप में 30.31 प्रतिशत है, जो 24 जुलाई को 34.17 प्रतिशत थी। इस प्रकार इसमें खासी गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान कुल 46,121 मरीजों को अस्पतालों से छुट्टी दी गई। मंत्रालय ने कहा कि मरीजों के स्वस्थ होने की दर में लगातार सुधार हो रहा है और यह 67.62 प्रतिशत की ऊंचाई तक पहुंच गया है। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र और राज्य तथा केंद्रशासित प्रदेश की सरकारों द्वारा परीक्षण, पता करना व उपचार की रणनीति के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अलावा अस्पताल के बुनियादी ढांचे और परीक्षण सुविधाओं को बढ़ाया गया। अस्पताल में भर्ती रोगियों का मानक दिशानिर्देशों के अनुसार उपचार पर जोर दिया गया।

ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन अध्यक्ष रशीदी की गीदड़भभकी, राम मंदिर तोड़ बनेगी मस्जिद

नेशनल डेस्क। अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन और शिलान्यास के एक दिन बाद ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन की तरफ से गीदड़भभकी दी गई है। एसोसिएशन के अध्यक्ष साजिद रशीदी ने कहा कि राम मंदिर को तोड़कर वहां मस्जिद बनाई जाएगी। रशीद ने कहा कि विवादित स्थल पर कभी कोई मंदिर नहीं था। वहां बाबरी मस्जिद थी और मस्जिद ही रहेगी। रशीद ने कहा कि इस्लाम कहता है कि मस्जिद हमेशा मस्जिद ही रहेगी। कुछ और निर्माण करने के लिए मस्जिद को तोड़ा नहीं जा सकता। रशीद ने कहा कि हमारा मानना है कि बाबरी मस्जिद वहां थी और वह हमेशा मस्जिद के रूप में वहां रहेगी। एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि कोई मंदिर तोड़ कर मस्जिद नहीं बनाई गई लेकिन अब मंदिर तोड़कर मस्जिद जरूर बनाई जाएगी। रशीद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने राम मंदिर के भूमि पूजन में जाकर संविधान का उल्लघंन किया है। बता दें कि भूमि पूजन से पहले ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी इसी तरह का भड़काऊ बयान जारी किया था। बोर्ड ने कहा था कि बाबरी मस्जिद कल भी थी, आज भी है और कल भी रहेगी। मस्जिद में मूर्तियां रख देने से या फिर पूजा-पाठ शुरू कर देने या एक लंबे अर्से तक नमाज पर रोक लगा देने से मस्जिद का वजूद खत्म नहीं हो जाता। बोर्ड ने भी मंदिर गिराकर मस्जिद बनाने की चेतावनी दी गई थी। बता दें कि पीएम मोदी ने 5 अगस्त को शिलान्यास के दौरान 9 शिलाओं का पूजन किया और चांदी ईंट व चांदी के फावड़े के साथ मंदिर की नींव रखी। बता दें कि पीएम मोदी ने 5 अगस्त को शिलान्यास के दौरान 9 शिलाओं का पूजन किया और चांदी ईंट व चांदी के फावड़े के साथ मंदिर की नींव रखी।

अंतरराष्ट्रीय पैनल का दावा- धारा 370 हटाने के बाद कश्मीर में कम हो गई हिंसा

लंदन। भारत सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को निरस्त किए लगभग एक साल बीत चुका है। इस बीच एक अंतर्राष्ट्रीय पैनल समूह ने स्वीकार किया है धारा 370 को रद्द करने के बाद घाटी में हिंसा में काफी कमी आई है। एक वेबिनार में कश्मीरी कार्यकर्ता जावीद त्राली ने कहा कि जब हम पिछले वर्षों के साथ इसकी तुलना करते हैं तो पाते हैं कि यहां हिंसा काफी कम हो गई है। त्राली ने डेमोक्रेसी न्यूज़ लाइव द्वारा आयोजित एक वेबिनार में एशियाई सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के एक पैनल के साथ बातचीत के दौरान कहा हम यहां की स्थिति के लिए कुछ सकारात्मक आंदोलन की उम्मीद करते हैं। भारत सरकार को अब घाटी में जल्द से जल्द राजनीतिक प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। वेबिनार में सटोरू नागाओ, फेलो हडसन इंस्टीट्यूट ने कहा कि कश्मीर में (भारत के उत्तर पूर्व की तरह) शांति बहाल करना एक महत्वपूर्ण मुद्दा है क्योंकि अगर जापान जैसा देश मदद करता है तो इसके बुनियादी ढांचे में सुधार किया जा सकता है। बता दें कि भारत सरकार द्वारा धारा 370 को निरस्त करने के बाद पिछले एक साल में जम्मू-कश्मीर में पैदा हुई स्थिति को स्पष्ट करने के लिए वेबिनार का आयोजन किया गया था। इसमें यूके फ्रीमैन (ऑक्सफोर्ड में पीएचडी उम्मीदवार), स्टॉरू नागाओ (फेलो, हडसन इंस्टीट्यूट), बुर्जैन वाघमार (सदस्य, एसओएएस दक्षिण एशिया संस्थान) और जावेद त्राली (कश्मीरी कार्यकर्ता) ने भाग लिया। पैनल ने प्रचलित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय रुझानों पर विचार किया। इस दौरान जिन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई, उनमें कश्मीर भी एक था। पैनल ने सहमति व्यक्त की कि जम्मू-कश्मीर में सामाजिक-राजनीतिक स्थिति को बदलने के लिए भारत को उत्साहित करने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि पिछले साल 5 अगस्त को, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने धारा 370 और 35 को निरस्त कर दिया, जिसने राज्य को विशेष दर्जा दिया था।

मनोज सिन्हा पहुंचे श्रीनगर, दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

श्रीनगर । पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं उत्तर प्रदेश से भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोज सिन्हा को बृहस्पतिवार को जम्मू-कश्मीर का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया गया। मनोज सिन्हा जम्मू-कश्मीर पहुंच चुके हैं। सिन्हा विशेष विमान से यहां पहुंचे। उन्हें यहां गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वह पहले राजनेता हैं, जिन्हें इस केन्द्र शासित प्रदेश का उप राज्यपाल नियुक्त किया गया है। सिन्हा पूर्व आईएएस अधिकारी गिरीश चंद्र मुर्मू का स्थान लेंगे। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के पद से गिरीश चंद्र मुर्मू का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। विज्ञप्ति में राष्ट्रपति के प्रेस सचिव अजय कुमार ने बताया कि राष्ट्रपति ने मनोज सिन्हा को जम्मू-कश्मीर का उपराज्यपाल नियुक्त किया है। पदभार संभालने के दिन से यह नियक्ति प्रभावी होगी। सिन्हा का जन्म एक जुलाई 1959 को पूर्वी उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के मोहनपुर में हुआ था। वह पूर्वी उत्तर प्रदेश के पिछड़े गांवों के विकास के लिए सक्रिय रूप से काम करते रहे हैं। 'विकास पुरुष के नाम से विख्यात सिन्हा का राजनीतिक करियर 1982 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र संघ का अध्यक्ष चुने जाने के साथ शुरू हुआ। वह 1989 से 1996 तक भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य रहे। सिन्हा तीन बार लोकसभा सदस्य रहे हैं। वह 1996 में पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए और उन्होंने 1999 में दोबारा जीत हासिल की। 22014 के लोकसभा चुनाव में 014 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने तीसरी बार जीत दर्ज की। इसी साल भाजपा ने केंद्र की सत्ता में वापसी की। सिन्हा ने 2016 में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के तौर पर संचार मंत्रालय संभाला। इस दौरान संचार उद्योग स्पेक्ट्रम की बिक्री में जुटा था। इस दौरान संचार उद्योग स्पेक्ट्रम की बिक्री में जुटा था। वह पहले राजनेता हैं, जिन्हें केन्द्र शासित प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

निर्माण का संकल्प

करोड़ों भारतीयों की आस्था के प्रतीक मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जन्मस्थल पर भव्य मंदिर का सपना सदियों पुराना था, और अब जब वह साकार रूप लेने लगा है, तो स्वाभाविक ही तमाम आस्थावान लोगों के लिए यह खुशी का एक अवसर है। अयोध्या में मंदिर-निर्माण का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल एक सूत्र वाक्य दोहराया कि 'राम सबके हैं और सब राम के हैं।' इस वाक्य के गहरे निहितार्थ हैं। यह एक समरस समाज का आधार वाक्य है। निर्माण की प्रस्तावना है। यह प्रस्तावना धर्म के दायरे से आगे जाकर राष्ट्र-निर्माण से जुड़ती है। जाहिर है, राष्ट्र का निर्माण कभी थमता नहीं, वह हर पल आकार लेता रहता है। अपने नागरिकों में, अपनी संस्थाओं के जरिए। और किसी भी समाज में संस्थाओं का निर्माण होता है, उनमें जनता के अटूट विश्वास से। इसलिए मंदिर-निर्माण का यह अवसर याद दिला रहा है कि हमें अपनी राष्ट्रीय संस्थाओं की मर्यादा को भी कमतर नहीं करना चाहिए। एक ऐसे दौर में, जब हम कुदरती व मानवीय विध्वंसों से लोहा ले रहे हैं, निर्माण का महत्व कहीं अधिक शिद्दत से महसूस होना चाहिए। हमें कितना कुछ गढ़ना अभी शेष है, यह महामारी हमें बता रही है और देश की सरहदें भी इसके संकेत कर रही हैं। गौर कीजिए, देश में कोविड-19 से मरने वालों की तादाद 40 हजार तक पहुंच गई है और उनमें से कई सारे लोगों की जान हम इसलिए नहीं बचा सके, क्योंकि हमारे पास उनके इलाज की माकूल व्यवस्था नहीं थी। लाखों भारतीय हर साल बाढ़ की चपेट में आकर महीनों खानाबदोश जिंदगी जीते हैं। ऐसे में, एक सशक्त भारत रचने के लिए न सिर्फ हमें अभी बहुत सारे अस्पतालों व स्कूलों की दरकार है, बल्कि अनगिनत पुलों, पनाहगाहों, ताल-तलैयों और सीमाओं पर सड़कों-बंकरों के जाल की भी आवश्यकता है। जाहिर है, इनके लिए बहुत सारे संसाधनों की जरूरत है। और यह कोई बाहर वाला हमें नहीं देगा। इस देश के नागरिकों को अपने कर्म से अर्जित करने पड़ेंगे। राष्ट्र-निर्माण के लिए उनमें भाईचारे की कमी नहीं पड़नी चाहिए। अयोध्या में कारसेवकों की कमी न पहले थी और न भविष्य में पड़ेगी। कभी किसी धर्म के आयोजन में लोग अपनी श्रद्धा से न धन की कमी पड़ने देते हैं और न श्रम-बल की। आज भारत-निर्माण को भी उसी भाव की जरूरत है। खासकर कोरोना काल में देश को अपने नागरिकों की श्रद्धा युक्त समझदारी की बहुत जरूरत है। धीरोदात्त राम ने अपने जीवन में धीरज के साथ विकट संकटों का सामना किया, तभी वह जीत का पथ निर्माण कर सके थे। अयोध्या में प्रधानमंत्री का संयम के साथ कोरोना के मुकाबले का आह्वान राम के इसी रूप से प्रेरित था। धैर्य के साथ सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करके ही हम इस महामारी से अपने देश को मुक्ति दिला सकते हैं। एक लंबे विवाद और ध्वंस के पटाक्षेप के बाद अयोध्या की फिजाओं ने खुशियों की खुनक महसूस की है। और इस दिन की पटकथा लिखने में पूरे भारत के नागरिक समाज ने अपने धैर्य, उत्साह, संतोष और समझदारी की रोशनाई मिलाई है। भारत-निर्माण के लिए इसी भाव को स्थाई रूप देने की जरूरत है। बहुलतावादी भारत में बन रहा भव्य राम मंदिर हमारे सामाजिक-सामुदायिक भाईचारे और शांति का संदेश पूरी दुनिया को दे सके, यह पूरा देश चाहेगा। आखिरकार राम सबके हैं और सब राम के हैं।

क्रिकेट व राजनीति में भारत विरोध की पारी

जी. पार्थसारथी

जब कभी इमरान खान की राजनीतिक नीतियों का आकलन होता है तो अनायास वर्ष 1982 में उनके साथ हुई मुलाकात की याद ताजा हो जाती है, तब मैं कराची के क्लिफ्टन इलाके में स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में नियुक्त था। उस दिनों मैंने सुनील गावस्कर के नेतृत्व में खेलने आई भारतीय क्रिकेट टीम के लिए स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सदस्यों ने भी शिरकत की थी। हमारा भवन पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के निजी गृह के ठीक सामने स्थित था। उस वक्त उन्हें तत्कालीन सैनिक तानाशाह जनरल जिया उल हक ने घर में नजरबंद कर रखा था। इसके पास स्थित कालोनी डिफेंस हाउसिंग सोसाइटी में इन दिनों कुख्यात डॉन दाऊद इब्राहिम शाही शानो-शौकत से रह रहा है। 1982 की टेस्ट मैच सीरीज में इमरान खान ने अपनी तूफानी गेंदबाजी से भारतीय बैटिंग की धज्जियां उड़ा कर रखी हुई थीं। सुनील गावस्कर और मोहिंदर अमरनाथ ही उन गिने-चुने भारतीय बल्लेबाजों में से थे जो इमरान की रिवर्स स्विंग गेंदों को सही ढंग से पढ़कर निरंतर और आत्मविश्वास से खेल पा रहे थे। कराची पहले भी पाकिस्तान का महानगर था और आज भी है, जहां कोई अपने पाकिस्तानी दोस्तों के साथ शाम की महफिल में शराब का लुत्फ लेते हुए बतिया सकता है। मैंने अपने एक मित्र जो पाकिस्तानी कमेंटेटर थे, से पूछा कि इमरान को भारत के खिलाफ इतनी खार से गेंदबाजी करने को क्या चीज प्रेरित करती है, क्योंकि बाकी टीमों के खिलाफ उनके अंदर वह जोशो-खरोश देखने को नहीं मिलता। मुझे बताया गया कि जब यही सवाल इमरान से पूछा गया था कि भारतीयों के खिलाफ उनकी गेंदें इतनी आग क्यों उगलती हैं तो जवाब था 'जब कभी मैं भारत के विरुद्ध खेलता हूं तो इसे एक महज खेल प्रतियोगिता की तरह नहीं लेता, मुझे कश्मीर की याद हो आती है। तब मेरे लिए खेल एक 'जिहाद' बन जाता है।' 1982 में इमरान की आक्रामक रिवर्स स्विंग का चौंकाने वाला जलवा दोपहर के भोजन और चाय के अंतराल के बाद ज्यादा देखने को मिलता था, जब उस दौरान गेंद पाकिस्तानी अंपायरों की जेब में हुआ करती थी! नुक्ता यह है कि गेंद के अर्धगोलार्द्ध को रगड़कर खुरदरा बनाकर और शेष भाग को चमकता हुआ रखने से गेंद की रिवर्स स्विंग अप्रत्याशित रूप से अबूझ बन जाती है। यह गावस्कर और अन्य भारतीय बल्लेबाजों ने गौर करने पर पाया था। पाकिस्तान ने कुछ महान तेज गेंदबाज क्रिकेट जगत को दिए हैं। उनमें वसीम अकरम, वकार यूनुस, शोएब अख्तर हैं। यूं तो इन्होंने भी भारत के विरुद्ध अपने मुल्क की तरफ से जी-जान से कड़ी गेंदबाजी की थी लेकिन इमरान की तरह इन्होंने खेल को कभी 'जिहाद' की तरह नहीं लिया था। भारतीय क्रिकेटरों के साथ उनके निजी संबंध मधुर थे। इमरान ने जब राजनीति में कदम रखा तो उनकी राजनीति को तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापकों में से एक ले. जनरल हमीद गुल ने काफी हद तक अपने सांचे में ढाला था। हमीद गुल पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी का महानिदेशक रहा था और कट्टर इस्लामिक मान्यताओं वाला मुसलमान है। अफगानिस्तान में इस्लामिक आतंकवादियों को शह-मदद देने में उसकी बड़ी भूमिका थी। उसमें पंजाब और जम्मू-कश्मीर में विद्रोहियों को बढ़ावा देने का जज़्बा भी काफी था। सेना और आईएसआई की अंदरखाते मदद से इमरान सत्ता प्राप्त कर सके हैं क्योंकि इन दोनों प्रतिष्ठानों को यह नागवार लगता था कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने लगे हैं, खासकर भारत और अफगान मामलों में। जम्मू-कश्मीर में हुर्रियत और विद्रोहियों को आईएसआई की मदद मिलने के इल्जामों पर जहां पाकिस्तान के पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री कन्नी काटने लगते थे वहीं इमरान ने हुर्रियत, लश्कर-ए-तैयबा जैसे इस्लामिक गुटों और तालिबान के साथ अपनी यारी को कभी गुप्त नहीं रखा है। कोई हैरानी नहीं कि इमरान खान पाकिस्तान का सबसे बड़ा सिविलियन पुरस्कार 'निशान-ए-हैदर' हुर्रियत के पितामह कहे जाने वाले सैयद अली गिलानी को देने जा रहे हैं। लेकिन आज हमारा पाला ऐसे पाकिस्तानी नेता से है जो इस्लामिक विद्रोहियों को अपनी मदद के बारे में खुलकर कहता है। यहां तक कि न्यूयॉर्क में 9/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड और अल कायदा के सरगना ओसामा बिन लादेन को इमरान खान एक 'शहीद' बताते हैं। बेशक इमरान खान यह दर्शाते हैं कि देश की विदेश नीति के निर्धारण में उनकी चलती है लेकिन हकीकत में इस पर फैसले लेने का हक पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा के हाथ में है। अमेरिका में आगामी 3 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि अफगानिस्तान में मौजूद अपनी बाकी बची सेना को निकाल लाएं। इस हेतु वार्ताओं में आतंकियों के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों को बंद करवाने में जनरल बाजवा ने सक्रियता दिखाई थी। जब पिछले साल 22 जुलाई को इमरान खान ने राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी तो वे पहले ऐसे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बने जो व्हाइट हाउस में अपने साथ पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष को लेकर गये। 9 जून को जनरल बाजवा की अचानक अफगानिस्तान यात्रा और राष्ट्रपति अशरफ गनी से की गई मुलाकात के बाद पाकिस्तान की अफगान नीति को सेना सीधे संचालित करती दिखाई दे रही है। मतलब अब यह इमरान नहीं बल्कि बाजवा हैं जो 3 नवंबर से पहले अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी सुनिश्चित करके राष्ट्रपति ट्रंप की मदद कर रहे हैं। अमेरिकी फौज के पलायन के बाद अफगानिस्तान में स्थिति विस्फोटक बनेगी। यह तय है कि वहां गृह युद्ध छिड़ सकता है क्योंकि तालिबान सत्ता में किसी को भागीदार नहीं बनाना चाहते। यह भी जगजाहिर है कि पाकिस्तानी सेना अपने अधिकार क्षेत्र में इमरान को एक प्रतिद्वंद्वी मानकर उनका आकार सीमित रखना चाहती है। सेना के चर्चित प्रवक्ता रहे ले. जनरल असीम सलीम बाजवा को सेवानिवृत्ति उपरांत इमरान खान का विशेष सूचना एवं प्रसारण सहायक नियुक्त किया गया है। असीम बाजवा को चीन-पाकिस्तान विशेष आर्थिक गलियारा योजना प्राधिकरण का अध्यक्ष भी बनाया गया है। ऐसी सूचनाएं हैं कि इस परियोजना संबंधी पाकिस्तानी निर्णयों को लेकर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा दिखाई गई नाखुशी के बाद असीम बाजवा को अध्यक्ष पद पर बैठाया गया है। संघीय योजना मंत्री के नीचे काम करने वाले राष्ट्रीय कमान एवं क्रियान्वयन केंद्र के कामकाज में भी सेना निर्णायक भूमिका निभाने लगी है। यह साफ है कि इमरान खान जो लंबे समय से पाक सेना के 'जमूरे' रहे हैं, उन्हें अब 'तत्पर कठपुतली' में तबदील कर दिया गया है, जिन्हें जिस दिन सेना चाहेगी, सत्ताच्युत कर देगी। चीन भी यह बखूबी जानता है कि पाकिस्तान में किसकी चलती है। इमरान खान के साथ वार्ता करने में जल्दी न दिखाकर भारत ने सही किया है। वह न केवल पाकिस्तानी सेना के सामने दिखावे की बल्कि अंदर गहरे तक भारत के प्रति खार रखते हैं। इन परिस्थितियों में ज्यादा अच्छा यह होगा कि पाकिस्तानी सेना से माकूल संपर्क माध्यम बनाकर रखा जाए। हालांकि पर्दे के पीछे बनाए गए इस किस्म के राब्ते से वास्तव में ज्यादा कुछ प्राप्ति की उम्मीद कम ही है, खासकर कश्मीर और लद्दाख में बने ताजा तनाव के बाद। लेकिन संवाद या वार्ता के लिए रूपोश संपर्क की अपनी व्यावहारिकता होती है, यहां तक कि मुश्किल समय में भी, खासकर तब जब तनाव चरम पर हो।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

आज के ट्वीट

भय

फ़िल्मी भांडों और क्रिकेटरों को किसका भय सता रहा है क्रिसमस और ईद पर निरंतर बधाई देने वाले बॉलीवुड और क्रिकेट जगत के कितने लोगों ने अयोध्या मंदिर भूमिपूजन की बधाई दी क्या इन दिनो फील्ड में सबसे ज्यादा अंडरवर्ल्ड का कालाधन लगता है और इन दोनों का संचालन अंडरवर्ल्ड द्वारा हो रहा है.

--अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

नैतिकता

श्रीराम शर्मा आचार्य/ प्रकृति की मर्यादाओं-नियत नियमों के अनुकूल दिशा में चलकर ही सुखी, शांत और संपन्न रहा जा सकता है। इसी को नैतिकता भी कहा जा सकता है। जिस प्रकार प्रकृति की व्यवस्था में प्राणियों से लेकर ग्रह-नक्षत्रों का अस्तित्व, जीवन और गति-प्रगति सुरक्षित है, उसी प्रकार मनुष्य जो करोड़ों, अरबों की संख्या वाले मानव समाज का एक सदस्य है, नैतिक नियमों का पालन कर सुखी व संपन्न रह सकता है तथा समाज में भी वैसी परिस्थितियां उत्पन्न करने में सहायक हो सकता है। नैतिकता इसीलिए आवश्यक है कि अपने हितों को साधते हुए, उन्हें सुरक्षित रखते हुए दूसरों को भी आगे बढ़ने दिया जाए। एक व्यक्ति बेईमानी करता है और उसकी देखा-देखी दूसरे व्यक्ति भी बेईमानी करने लगें तो किसी के लिए भी सुविधापूर्वक जी पाना असंभव हो जाएगा। इसी कारण ईमानदारी को नैतिकता के अंतर्गत रखा गया है कि व्यक्ति उसे अपना कर अपनी प्रामाणिकता, दूरगामी हित, तात्कालिक लाभ और आत्मसंतोष प्राप्त करता रहे तथा दूसरों के जीवन में भी कोई व्यतिक्रम उत्पन्न न करे। नैतिकता का अर्थ सार्वभौम नियम भी कहा जा सकता है। सार्वभौम नियम अर्थात् वे नियम जिनका सभी पालन कर सकें। अच्छाइयों से अच्छाइयां बढ़ती हैं, ग्रहणकर्त्ता में कौशल और सुगढ़ता ही आती है और इससे सब प्रकार लाभ ही होता है। किन्तु दूसरों के अधिकार या उनके अधिकार की वस्तुएं छीनने का क्रम चल पड़े, तो भारी अव्यवस्था उत्पन्न हो जाएगी, कोई भी सुखी नहीं रह सकेगा। फिर तो जानवरों की तरह ताकतवर कमजोर को दबा देगा। ताकतवर को उससे अधिक ताकतवर व्यक्ति दबा देगा। इसी कारण समाज में नैतिक मर्यादाएं निर्धारित हुई हैं। धर्म कर्त्तव्यों, मर्यादाओं एवं नैतिक आचरण की एक कसौटी यह भी है कि किसी कार्य को करते समय अपनी अंतरात्मा की साक्षी ले ली जाए। यकायक किसी में अनैतिक आचरण का दुस्साहस पैदा नहीं होता। जब भी कोई व्यक्ति किसी बुरे काम में प्रवृत्त होता है, तो उसका हृदय धक-धक् करने लगता है। शरीर से पसीना छूटता है और प्रतीत होता है कि कोई उसे इस कार्य के लिए रोक रहा है। जब कभी ऐसा लगे तो सावधान हो जाना चाहिए और उस काम से पीछे हट जाना चाहिए। जिस काम को करने में अंदर से प्रसन्नता और आनंद महसूस न हो, समझना चाहिए कि वह काम नैतिकता के अंतर्गत नहीं है, उसे त्याग देना चाहिए।

अयोध्या आंदोलन में रही निर्णायक भूमिका

अशोक सिंघल/ विष्णुगुप्त

हिन्दू आस्था और अस्मिता के प्रतिमान प्रभु श्रीराम के अयोध्या में मंदिर निर्माण की प्रक्रिया गतिशील है। भूमि पूजन के साथ ही प्रत्याशित आशा पूरी हो गयी। यह देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में उत्साह और हर्ष का विषय बन गया। अयोध्या नगरी और प्रभु श्रीराम हिन्दू त्याग और बलिदान के भी प्रतीक बन गये हैं। यह कोई एक-दो साल का संघर्ष नहीं रहा है, पूरे पांच सौ साल का संघर्ष रहा है। कोई भी बड़ा आंदोलन और अभियान सफल तब होता है जब उसके प्रति गहरी आस्था होती है, समर्पण होता है, उसका कोई न कोई आईकॉन होता है। जब तक आस्था और समर्पण का सक्रिय प्रकटीकरण नहीं होता तब तक उसका कोई प्रभाव सामने नहीं आता। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में कई ऐसे आईकॉन हैं जो आस्था और समर्पण के प्रकटीकरण सुनिश्चित करने के आइकॉन बने हैं, बलिदानी बने हैं। इनमें से एक थे अशोक सिंघल। अशोक सिंघल को राममंदिर आंदोलन का चीफ आर्किटेक्ट कहा जाता है। अशोक सिंघल ने कहा था कि एक-दो साल नहीं बल्कि आठ सौ साल बाद भारतीय अस्मिता की सोच वाली सत्ता की वापसी हुई है। उनका तात्पर्य नरेन्द्र मोदी की 2014 में जीत से था।अशोक सिंघल ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से धातुकर्म में इंजीनियरिंग की थी। अशोक सिंघल ने इंजीनियरिंग की नौकरी न करने की ठान ली और संघ का प्रचारक बनना स्वीकार कर लिया। आपातकाल के दौरान उनकी भूमिका इन्दिरा गांधी की सरकार के प्रति आक्रोश उत्पन्न कराने की थी। दिल्ली में इन्दिरा गांधी की इमरजेंसी के खिलाफ व्यूह रचना और आंदोलन में भी इनकी भूमिका अग्रणी थी। वे इमरजेंसी के दौरान कभी पकडे नहीं गये। संघ ने उन्हें बड़े लक्ष्य के लिए विश्व हिन्दू परिषद से जोड़ दिया। उनकी सोच थी कि हिन्दुओं में अपने देश, धर्म और संस्कृति के प्रति आस्था तो होनी ही चाहिए पर इस आस्था के प्रकटीकरण के लिए सबल आग्रह भी होना चाहिए। बिना तेवरों के किसी लक्ष्य की पूर्ति नहीं हो सकती। अशोक सिंघल ने इसे समझने के लिए दिल्ली में इन्दिरा गांधी सरकार के दौरान गो हत्या के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले सैकड़ों निहत्थे साधुओं पर पुलिस की गोलियां चलाने की घटना को चुना। उनका कहना था कि इस नरसंहार के खिलाफ देश भर में आवाज क्यों नहीं उठी? इसलिए कि हम अपने हितों की रक्षा के प्रति उदासीन होते हैं। दिल्ली में दो सम्मेलनों ने देश की राजनीतिक धारा में परिवर्तन लाने और हिन्दुत्व के उभार में बड़ी भूमिका निभायी थी। 1981 में डॉ. कर्ण सिंह के नेतृत्व में एक विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन हुआ था। 1984 में दिल्ली के विज्ञान भवन में एक धर्म संसद का आयोजन हुआ था। इन दोनों सम्मेलनों में पहली बार सनातन हितों पर राष्ट्रीय चर्चा हुई। इन दोनों सम्मेलनों में न केवल देश से बड़ी-बड़ी हस्तियां जुटी थीं बल्कि विदेशों से भी बड़ी हस्तियां आयी थीं। इन्हीं दोनों सम्मेलनों में राम जन्मभूमि को मुक्त कराने की चर्चा हुई थी। इन दोनों सम्मेलनों के पीछे अशोक सिंघल का ही दिमाग था। जब विवादित स्थल का ताला खुला और प्रभु श्रीराम की प्रार्थना-पूजा करने की अनुमति मिली तब अशोक सिंघल ने श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति के आंदोलन को राजनीति का यक्ष प्रश्न बना दिया। लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा, गांव-गांव और घर-घर ईंट पूजन समारोह मनाने, एक पिछड़े-दलित कामेश्वर चौपाल से ईंट पूजन कराने से लेकर विवादित स्थल के विध्वंस तक की पूरी व्यूह रचना के शिल्पी अशोक सिंघल रहे थे। नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कराने और गुजरात में नरेन्द्र मोदी के साथ पूरी शक्ति व समर्थन के साथ खड़े रहने वालों में अशोक सिंघल भी शामिल रहे हैं। जब राष्ट्र धर्म के सिद्धांत पर गद्दी छोड़ने का दबाव पड़ा तब अशोक सिंघल ने आडवाणी के साथ मिलकर पराक्रम दिखाया। वे अपने विरोधियों के कर्म से विचलित नहीं होते थे। जब उन्होंने नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर कहा कि आठ सौ साल बाद सनातन सत्ता वापस लौटी है तब देश की तुष्टीकरण की राजनीति ने सवाल उठाये थे। देश से लेकर विदेश तक इसकी गूंज हुई थी लेकिन वे अपने बयान पर कायम रहे। राष्ट्र में अलख जगाने वाले और देशभक्ति को कर्म मानने वाले अशोक सिंघल को पर्याप्त सम्मान मिलना चाहिए। श्रीराम जन्मभूमि निर्माण जो अब सच हो गया है, उसके पीछे अशोक सिंघल के सघर्ष को हमेशा याद किया जायेगा।

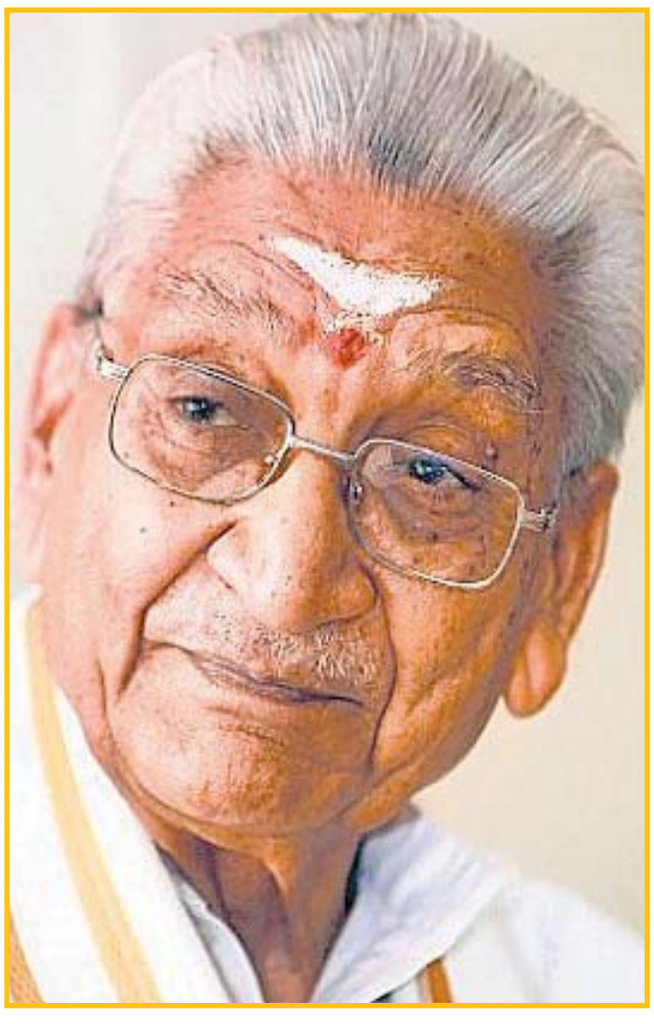

आज का राशिफल

मेष दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृषभ जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

मिथुन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

धनु व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किसानों के लिए चलेगी खास ट्रेन- बढ़ेगी कमाई

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे किसानों के व्यवसाय को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी भूमिका निभाने वाला है। रेलवे ने किसानों को राहत पहुंचाने के लिए वीकली किसान स्पेशल पार्सल ट्रेन चलाने का एलान किया है। रेल ने किसानों की सुविधा के लिए ट्रेन को 7 अगस्त से 30 अगस्त तक देवलाली (महाराष्ट्र) और दानापुर (बिहार) के बीच चलाने का फैसला लिया है। बता दें कि की ओर से चलाई जाने वाली इस ट्रेन से किसान अपनी सब्जियों, फल सहित अन्य उपज को बड़े बाजारों और उपभोक्ताओं तक चीजों को समय पर पहुंचा सकेंगे। इससे इनकी इनकम भी बढ़ेगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने आम बजट 2020-21 पेश करते हुए इस ट्रेन के चलाए जाने की संसद में घोषणा की थी। देश की पहली किसान स्पेशल पार्सल ट्रेन 7 जुलाई की सुबह 11 बजे दिवलाली से दानापुर के लिए रवाना होगी। केंद्रीय रेल और वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ग्रामीण विकास और कृषि व किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हरी झंडी दिखा कर इस ट्रेन को रवाना करेंगे। सुबह 11 बजे देवलाली से देवलाली-दानापुर किसान स्पेशल पार्सल ट्रेन रवाना होगी। ट्रेन करीब 1519 किमी का सफर तय करने के बाद शाम 6 बजकर 45 मिनट पर दानापुर पहुंचेगी। ट्रेन अपनी मंजिल तक पहुंचने मे कुल 31.45 घंटे का समय लेगी। किसानों की इस कार्गो ट्रेन में वो उत्पाद होंगे जोकि जल्दी नष्ट हो जाते है, जैसे कि मसलन सब्जियां और फल को लेकर यह ट्रेन रवाना होगी। भुसावल डिविजन मुख्यता कृषि आधारित उत्पादों के लिए जाना जाता है। महाराष्ट्र का नासिक और उसके आस-पास का क्षेत्र मुख्य तौर पर ताजी सब्जियां, फल और फूलों सहित कई पेरिसेबल उत्पादों के पैदावार के लिए जाना जाता है। ये उत्पाद मुख्यता पटना,ईलाहाबाद,कटनी और सतना जैसे क्षेत्रों में ट्रांसपोर्ट किया जाता है। साप्ताहिक चलने वाले इस ट्रेन से स्थानीय किसानों को बडा फायदा मिलने वाला है। यह ट्रेन नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, बुरहानपुर, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, सतना, कटनी, मानिकपुर, प्रयागराज,छेवकी,पंडीत दीनदयाल उपाध्याय नगर और बक्सर पर भी रुकेगी।

पीएमजीकेएवाई: केंद्र ने कहा, अप्रैल-जून में 75 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त अनाज दिया गया

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल-जून की अवधि के दौरान 75 करोड़ लाभार्थियों को राशन की दुकानों के माध्यम से पीएमजीकेवाई के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरित किए गए। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर सरकार द्वारा घोषित 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज के हिस्से के रूप में, मार्च में सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत राशन कार्ड धारकों को तीन महीने के लिए मुफ्त में पांच किलोग्राम खाद्यान्न वितरण की घोषणा की थी। खाद्यान्न के अलावा, प्रति लाभार्थी परिवार को एक किलो चना भी वितरित करने की घोषणा है।यह राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत दी जाने वाली सब्सिडी प्राप्त खाद्य वस्तुओं के अतिरिक्त है। पीएमजीकेएवाई योजना को अब नवंबर तक बढ़ा दिया गया है। खाद्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'अप्रैल और मई में लगभग 37.5 लाख टन खाद्यान्न वितरित किया गया था और प्रत्येक महीने में लगभग 75 करोड़ लाभार्थी को योजना के दायरे में लिया गया। जून में 36.54 लाख टन खाद्यान्न का वितरण किया गया जिसमें 73 लाख लाभार्थियों को योजना के दायरे में लिया गया।' बयान में कहा गया है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से 118 लाख टन खाद्यान्न का उठाव किया था। इसमें कहा गया है कि उन्होंने अप्रैल-जून में आवंटित खाद्यान्न का 111.52 लाख टन (93.5 प्रतिशत) का वितरण किया है। पीएमजीकेएवाई के तहत, लगभग 81 करोड़ राशन कार्ड धारकों को सहायता दी जानी है, जिनमें अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) और प्राथमिकता वाले परिवारों के लाभार्थी शामिल हैं। जिनमें अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) और प्राथमिकता वाले परिवारों जिनमें अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) और प्राथमिकता वाले परिवारों के लाभार्थी शामिल हैं।

रिजर्व बैंक पायलट आधार पर कार्ड पर आफ-लाइन भुगतान सुविधा की अनुमति देगा

मुंबई ।

रिजर्व बैंक ने बृहस्पतिवार को पायलट आधार पर 'ऑफलाइन' यानी बिना इंटरनेट के कार्ड और मोबाइल के जरिये खुदरा भुगतान योजना की घोषणा की। इस पहल का मकसद उन जगहों पर भी डिजिटल लेन-देन के लिये ग्राहकों को प्रोत्साहित करना है, जहां इंटरनेट कनेक्टविवटी कमी है। रिजर्व बैंक ने 'विकासात्मक और नियामकीय नीतियों पर बयान' में कहा, ''केंद्रीय बैंक इकाइयों को 'ऑफलाइन भुगतान समाधान विकसित करने के लिये प्रोत्साहित करता रहा है। इसीलिए पायलट योजना के तहत उपयोगकर्ताओं के हितों, देनदारी सुरक्षा आदि का ध्यान रखते हुए 'ऑफलाइन' माध्यम से अंतर्निहित सुविधाओं के साथ छोटी राशि के भुगतान की अनुमति देने का प्रस्ताव है।'' इसमें कहा गया है कि इस संदर्भ में जल्दी ही निर्देश जारी किये जाएंगे। केंद्रीय बैंक ने कहा कि पायलट योजना से प्राप्त अनुभव के आधार पर योजना लागू करने को लेकर विस्तृत दिशानिर्देश जारी किये जाएंगे। आरबीआई ने कहा, ''खासकर दूरदराज के क्षेत्रों में इंटरनेट का अभाव या उसकी कम गति डिजिटल भुगतान के रास्ते में बड़ी बाधा है।

इसको देखते हुए कार्ड, वॉलेट और मोबाइल उपकरणों के माध्यम से ऑफलाइन भुगतान का विकल्प उपलब्ध कराया जा रहा है। उम्मीद है कि इससे डिजिटल भुगतान को और बढ़ावा मिलेगा।'' केंद्रीय बैंक ने यह भी कहा कि 'पेमेंट सिस्टम ऑपरेटर' (पीएसओ) को ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) लागू करना होगा। डिजिटल लेन-देन बढ़ने के केंद्रीय बैंक ने यह भी कहा कि 'पेमेंट सिस्टम ऑपरेटर' (पीएसओ) को ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) लागू करना होगा। डिजिटल लेन-देन बढ़ने के साथ विवाद और शिकायतें भी बढ़ी हैं। शिकायतों के समाधान की यह व्यवस्था नियम आधारित और पारदर्शी होगी। इसमें मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा या अगर होगा भी तो बहुत कम। इस पहल का मकसद विवादों और शिकायतों का समय पर और प्रभावी तरीके से निपटान करना है।

अडाणी पावर का घाटा जून तिमाही में बढ़कर 682.46 करोड़ रुपये पहुंचा

नयी दिल्ली। अडाणी पावर का शुद्ध घाटा चालू वित्त वर्ष 2020-21 की अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 682.46 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। 'लॉकडाउन' के कारण बिजली की मांग कम होने से आय प्रभावित हुई और कंपनी का घाटा बढ़ा है। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में कंपनी को 263.39 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। अडाणी पावर ने बंबई शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी आय 2020-21 की पहली तिमाही में घटकर 5,356.19 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में 8,014.50 करोड़ रुपये थी। कंपनी को 2019-20 में एकीकृत रूप से 2,274.77 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। जबकि आय 27,841.81 करोड़ रुपये थी। अडाणी पावर के बिजली संयंत्रों का औसत पीएलएफ (प्लांट लोड फैक्टर) यानी क्षमता उपयोग चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 51 प्रतिशत रहा जो इससे पूर्व 2019-20 की इसी तिमाही में 78 प्रतिशत था। कंपनी के अनुसार कोविड-19 की रोकथाम के लिये देश भर में 'लॉकडाउन' के कारण बिजली मांग कम होने से पीएलएफ नीचे रहा।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा की मुख्य बातें

नयी दिल्ली। रिजर्व बैंक की बृहस्पतिवार को पेश मौद्रिक नीति समीक्षा की मुख्य बातें इस प्रकार हैं। मुख्य नीतिगत दर रेपो चार प्रतिशत , रिवर्स रेपो दर 3.35 प्रतिशत पर बरकरार। सोने के बदले कर्ज की सीमा बढ़ी। कोविड-19 महामारी के बीच परिवारों को राहत के लिए बैंक अब सोने के मूल्य के 90 प्रतिशत के बराबर कर्ज दे सकते हैं। अभी यह सीमा 75 प्रतिशत है। वृद्धि को प्रोत्साहन के लिए नरम रुख जारी रहेगा। अनिश्चित वैश्विक वातावरण में मौद्रिक नीति में आर्थिक वृद्धि को समर्थन को वरीयता दी जाएगी।'' मुद्रास्फीति के ऊपर की ओर जाने का जोखिम। अक्टूबर-मार्च के दौरान मुद्रास्फीति के नीचे आने का अनुमान। चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर नकारात्मक रहेगी। दबाव झेल रहे एमएसएमई कर्जदार ऋण पुनर्गठन के पात्र। पर इसके लिए उनका खाता मानक के रूप में वगीकृत होना चाहिए। कोविड-19 के दबाव को कम करने के लिए बैंक, कॉरपोरेट, व्यक्तिगत कर्जदारों के ऋण का पुनर्गठन कर सकते हैं। कॉरपोरेट और व्यक्तिगत ऋणों के लिए एक नई समाधान सुविधा बनाई जाएगी। कई बैंकों से ऋण सुविधाएं लेने वाले ग्राहकों द्वारा चालू खाते या ओवरड्रॉफ्ट खाते खोलने के लिए रक्षोपाय किए जाएंगे। प्राथमिकता क्षेत्र ऋण पीएसएल के तहत अक्षय ऊर्जा (सौर ऊर्जा सहित), छोटे और सीमान्त किसानों तथा 'कमजोर वर्गों' के लिए कर्ज की सीमा बढ़ाई गई।

महंगाई दर दूसरी तिमाही में ऊंची रह सकती है: आरबीआई

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में महंगाई की दर ऊंची रह सकती है, लेकिन वर्ष की दूसरी छमाही में यह नीचे आ जाएगी। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने यहां मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के निष्कर्ष और निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण घरेलू खाद्य महंगाई तेज बनी रहेगी। आरबीआई के मौद्रिक नीति बयान 2020-21 में कहा गया है कि कोविड-19 के चलते आपूर्ति की राह में अड़चने बनी हुई हैं, जिससे खानपान और दूसरी वस्तुओं पर मुद्रास्फीति का दबाव है। बयान में कहा गया है, ''वित्तीय बाजारों में अस्थिरता और परिसंपत्तियों की बढ़ती कीमतें भी संभावनाओं के लिए जोखिम पैदा करती हैं। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, प्रमुख मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में तेज बनी रह सकती है, लेकिन अनुकूल आधार प्रभाव के कारण दूसरी छमाही में इसमें नरमी हो सकती है।'' रिजर्व बैंक की द्विमासिक नीतिगत समीक्षा में प्रमुख रेपो दर को चार प्रतिशत पर यथावत रखते हुए आरबीआई गवर्नर दास ने कहा कि रेपो के बारे में फैसला यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि मुद्रास्फीति तय लक्ष्य के भीतर बनी रहे। दास ने हालांकि यह नहीं बताया कि मुद्रास्फीति किस दायरे में रहेगी। आरबीआई ने मध्यम अवधि के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति या खुदरा महंगाई के चार प्रतिशत के करीब रहने का लक्ष्य तय किया है, जो दो प्रतिशत कम या अधिक हो सकती है।

छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की नीतिगत समीक्षा के अनुसार रबी की जोरदार पैदावार होने पर अनाज की कीमतें कम रह सकती हैं, खासकर अगर खुले बाजार में बिक्री और सार्वजनिक वितरण के तहत खरीद बढ़ जाती है तो ऐसा हो सकता है। हालांकि, खाद्य पदार्थों की महंगाई का जोखिम बना हुआ है। आरबीआई प्रमुख ने भारत के कृषि क्षेत्र पर उम्मीद व्यक्त करते हुये कहा कि खरीफ की फसल अच्छी रहने से ग्रामीण क्षेत्र में मांग सुधरेगी। दास ने आगे कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों पर भारी करों के कारण पंप पर इनकी कीमतों में बढ़ोतरी हुई है और इससे व्यापक आधार पर लागत बढ़ने का दबाव बनेगा । उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर भी आर्थिक कारोबार कमजोर है और पुनरूद्धार के शुरुआती संकेत, अब कोविड-19 महामारी के बढ़ने से कमजोर पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में कारोबार में तेजी आने लगी थी, लेकिन कारोना संक्रमण के मामले बढ़ने से मजबूरन कई जगह लॉकडाउन लगाना पड़ा।

टाटा मोटर्स की नेक्सॉन ईवी ली जा सकेगी मासिक किराये पर

नयी दिल्ली। टाटा मोटर्स अपने एसयूवी मॉडल नेक्सॉन के इलेक्ट्रिक संस्करण को ग्राहकों को 41,900 रुपये के तय मासिक किराये पर उपलब्ध कराएगी। कंपनी ने बृहस्पतिवार को इसके सब्सक्रिप्शन मॉडल की पेशकश की। टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन तक लोगों की अधिक पहुंच बनाने और भविष्य के प्रति जागरुक ग्राहकों तक कंपनी का आधार बनाने के लिए उसने यह योजना पेश की है। बयान के मुताबिक ग्राहक न्यूनतम 18 महीने की किराया योजना से लेकर 24 और 36 माह के विकल्प में से कोई भी चुन सकते हैं। इस तरह 18 माहे लिए किराये पर गाड़ी लेने वाले ग्राहक को 47,900 रुपये का मासिक किराया देना होगा, जबकि 24 माह की अवधि में 44,900 रुपये और 36 माह के लिए 41,100 रुपये मासिक किराया देना होगा। टाटा मोटर्स ने इस कार को किराये पर उपलब्ध कराने के लिए ऑरिक्स ऑटो इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेस के साथ समझौता किया है। शुरुआत में यह योजना दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, पुणे, हैदराबाद और बेंगलुरू में उपलब्ध होगी। टाटा मोटर्स के यात्री वाहन कारोबार इकाई के अध्यक्ष शैलेश चंद्र ने कहा, ''ई-वाहन भविष्य हैं। में अपने उत्पादों की पहुंच और उन्हें लोकप्रिय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।'' इस तेजी से बढ़ते क्षेत्र में अगुवा होने के नाते कंपनी देश में अपने उत्पादों की पहुंच और उन्हें लोकप्रिय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।''

आरबीआई ने बताया- कोविड-19 महामारी लम्बी खिंचना अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम

मुंबई।

भारतीय रिवर्ज बैंक ने बृहस्पतिवार को आंशका जतायी कि कोविड-19 महामारी का संक्रमण लम्बे समय तक खिंचा तो उससे घरेलू अर्थव्यवस्था की हालत और पतली हो सकती है। गौरतलब है कि इस महामारी और उससे निपटने के लिए लागू सार्वजनिक पाबंदियों से कारोबार पहले से ही बुरी तरह प्रभावित हुआ है और चालू वित्त वर्ष में बड़ा आर्थिक संकुचन होने का अनुमान है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की द्वैमासिक बैठक के निष्कर्षों की जानकारी देते हुए कहा कि महामारी पर पहले काबू पा लिया गया तो उसका अर्थव्यस्था पर 'अनुकूल% प्रभाव पड़ेगा। मौद्रिक नीति समिति का अनुमान है कि ग्रामीण अर्थव्यस्था में सुधार मजबूत होगा क्यों कि खरीफ की बुवाई अच्छी चल रही है। विनिर्माण क्षेत्र की इकाइयों को दूसरी तिमाही से मांग बढ़ने की उम्मीद है। उनको लगता है कि 2021-22 की पहली तिमाही तक मांग में धीरे धीरे सुधार होगा। दास ने कहा कि जुलाई में उपभोक्ताओं का आत्मविश्वास रिजर्व बैंक के पिछले सर्वे के समय से और भी कमाजोर हुआ है। समीक्षा में कहा गया है कि विदेशों से भी मांग अभी कमजोर बनी रहेगी। विश्व मंदी में है और विश्व-व्यापार घट रहा है।

दास ने कहा, ' चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में --- अनुमान है कि वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) संकुचन के दौर में रहेगी। पूरे 2020-21 में वास्तविक जीडीपी के गिरने के आसार है। उन्होंने कहा कि कोविड19 जल्दी काबू में आ गया तो इससे आर्थिक संभावनाओं पर 'अनुकूल प्रभाव हो सकता है। इसके ज्यादा लम्बा खिंचने, मानसून सामान्य रहने का अनुमान सही न निकलने और वैश्विक वित्तीय बाजार में उठापटक बढने की स्थिति में घरेलू अर्थव्यवस्था पर 'बुरा प्रभाव पड़ सकता है। दास ने कहा कि समिति का आकलन है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति 2020 की पहली छमाही में कमजोर बनी रही और इसमें छंटनी का रुझान रहा। उन्होंने कहा कि जुलाई में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में कोविड19 संक्रमण में नयी तेजी दिखी। इससे आर्थिक हालात में मई-जून में सुधार के प्रारंभिक संकेत बाद में धीमे पड़ गए।

कारीगरों की भारी कमी, निर्यात आर्डर पूरा नहीं कर पा रहे ज्यूलर्स

मुंबई। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने कहा कि कुशल कार्यबलों के अभाव में रत्न एवं आभूषण उद्योग चुनौतियों का सामना कर रहा है और मांग होने के बावजूद उसे पूरा करने में असमर्थ है। परिषद के अनुसार एक तरफ जहां निर्यात आर्डर बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कुशल कामगारों की कमी है। कामगार या तो परिवहन संबंधी बाधाओं के कारण आने में असमर्थ हैं या फिर संकट के समय में अपने परिवार को छोड़ना नहीं चाह रहे। जीजेईपीसी के चेयरमैन कोलिन शाह ने कहा, 'हालाकि यह समय कठिन है लेकिन आभूषण निर्यात के लिये मांग बढ़ रही है और यह काफी सकारात्मक है। इसी प्रकार, देश में अन्य क्षेत्रों की तरह आभूषण उद्योग से भी 'लॉकडाउन' के बीच बड़ी संख्या में श्रमिक पलायन किये।' उन्होंने कहा निर्यातकों को अपने कर्मचारियों को आश्वस्त करने की जरूरत है कि कारखानों में कर्मचारी पूरी तरह से सुरक्षित होंगे। आज काम ज्यादा है लेकिन कार्यबल नहीं है। यह अजीब स्थिति है.। फिलहाल सरकारी आदेश के अनुसार केवल 25 प्रतिशत कर्मचारियों को ही एक बार में काम करने की अनुमति है। शाह ने कहा कि आभूषण उद्योग में ज्यादातर कुशल कारीगर परंपरागत रूप से पश्चिम बंगाल, गुजरात और उत्तर प्रदेश के हैं।

रिलायंस इंडस्ट्री बना दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ब्रांड, एप्पल पहले नंबर पर

नई दिल्ली।

उद्योगपति मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्री 'फ्यूचरब्रांड सूचकांक 2020' में एप्पल के बाद दुनिया का दूसरा सबसे ब्रांड बन गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज रिफाइनरी, खुदरा और दूरसंचार क्षेत्र में काम करने वाली प्रमुख कंपनी है। फ्यूचरब्रांड ने 2020 की सूची को जारी करते हुए कहा इस सबसे लंबी छलांग दूसरे स्थान के लिए लगायी है। रिलायंस इंडस्ट्री हर पैमाने पर खरी उतरी। रिपोर्ट में रिलायंस के बारे में कहा गया है कि यह भारत की सबसे अधिक लाभ कमाने वाली कंपनियों में से एक हैं। कंपनी की 'बहुत अधिक इज्जत' है और 'नैतिक रूप से काम करती है।' इसी के साथ कंपनी 'नवोन्मेषी उत्पाद', 'ग्राहकों को बेहतर अनुभव' और 'वृद्धि' से जुड़ी है। लोगों का कंपनी के साथ एक 'मजबूत भावनात्मक' रिश्ता है। फ्यूचरब्रांड एक वैश्विक ब्रांड बदलाव कंपनी है। यह पिछले छह साल से यह सूचकांक पेश कर रही है। उसने कहा कि रिलायंस की सफलता का श्रेय अंबानी को दिया जाना चाहिए। उन्होंने कंपनी को भारतीयों के लिए 'एक मेगास्टोर' की तरह 'वन स्टॉप' दुकान के तौर पर नयी पहचान दी है रिपोर्ट में कहा गया है, 'आज कंपनी ऊर्जा, पेट्रोरसायन, कपड़ा, प्राकृतिक संसाधन, खुदरा और दूरसंचार क्षेत्र में काम करती है। गूगल और फेसबुक ने उसमें हिस्सेदारी खरीदी है।

हमें उम्मीद है कि अगले सूचकांक में कंपनी शीर्ष पर होगी। इस सूची में एप्पल सबसे शीर्ष पर है। जबकि सैमसंग तीसरे स्थान, एनवीडिया चौथे, मोताई पांचवे, नाइकी छठे, माइक्रोसॉफ्ट सातवें, एएसएमएल आठवें, पेपाल नवें और नेटफ्लिक्स दसवें स्थान पर है।

रिजर्व बैंक ने कंपनियों के लिये ऋण पुनर्गठन सुविधा की अनुमति दी

मुंबई।

रिजर्व बैंक ने बृहस्पतिवार को आखिरकार उद्योग और बैंक के शीर्ष अधिकारियों की मांग पर ध्यान देते हुये कंपनियों के लिये कर्ज पुनर्गठन सुविधा की घोषणा कर दी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि यह पुनर्गठन रिजर्व बैंक के 7 जून 2019 को जारी मितव्ययी रूपरेखा ढांचे के अनुरूप होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले सप्ताह कहा था कि सरकार कोविड- 19 से प्रभावित उद्योग की मदद के लिये कर्ज के पुनर्गठन की आवश्यकता को लेकर रिजर्व बैंक के साथ मिलकर काम कर रही है। सीतारमण ने कहा था, ''ध्यान पुनर्गठन पर है। इस मुद्दे पर वित्त मंत्रालय रिजर्व बैंक के साथ सक्रियता से काम कर रहा है। सैद्धांतिक तौर पर इस बात पर गौर किया गया है कि पुनर्गठन की आवश्यकता पड़ सकती है, इस बात ध्यान दिया गया है।'' रिजर्व बैंक ने इससे पहले फरवरी में जीएसटी में पंजीकृत सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के मानक खातों में संपत्ति वर्गीकरण को नीचे किये बिना ही एकबारगी पुनर्गठन की सुविधा दी थी। यह सुविधा उन एमएसएमई को दी गई जो कि एक जनवरी 2020 को चूक में थे। यह कदम बजट घोषणा के अनुरूप उठाया गया था। दास ने कहा कि दबाव झेल रहे एमएसएमई कर्जदारों के खाते यदि मानक खातों के तौर पर वर्गीकृत हैं तो वह भी रिण पुनर्गठन के पात्र होंगे। रिजर्व बैंक ने सोने के आभूषण तथा अन्य जेवरातों के मामले में उनके कुल मूल्य के समक्ष कर्ज के अनुपात को भी मौजूदा 75 प्रतिशत से बढ़ाकर 90 प्रतिशत कर दिया। यह कदम घर- परिवारों के मामले में कोविड- 19 से उत्पन्न तंगी में राहत देने के लिये उठाया गया है। दास ने यह भी बताया कि स्टार्टअप्स को अब बैंक कर्ज के मामले में प्राथमिक क्षेत्र का दर्जा दिया गया है। केन्द्रीय बैंक के इस कदम से बैंक अब ऐसी इकाइयों को कर्ज देने के लिये प्रोत्साहित होंगे। रिजर्व बैंक गवर्नर ने हालांकि कर्ज की किस्तों के भुगतान पर लगी रोक को लेकर किसी प्रकार की कोई बात नहीं कही है।

यह रोक 31 अगस्त को समाप्त हो रही है। लॉकडाउन के दौरान कर्जदारों को राहत देने के लिये रिजर्व बैंक ने मार्च में कर्ज किस्तों के भुगतान पर तीन माह के लिये रोक लगाने की घोषणा की थी जिसे बाद में आगे बढ़ाकर 31 अगस्त कर दिया गया। इस दौरान कर्जदारों को मूल और ब्याज सहित मासिक किस्तों के भुगतान से छूट का विकल्प उपलब्ध कराया गया।

मूंगफली और सीपीओ तेल कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली।

गुजरात में सहकारी संस्था नाफेड द्वारा मूंगफली की बिकवाली करने से स्थानीय तेल तिलहन बाजार में बृहस्पतिवार को मूंगफली तेल तिलहन कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। मलेशिया और इंडोनेशिया में सीपीओ एवं पामोलीन तेल का अत्यधिक स्टॉक होने एवं अगली बम्पर पैदावार होने की संभावना के कारण मांग होने के बावजूद पाम तेल कीमतों में नरमी रही। दूसरी ओर देश में ब्लेंडिंग की मांग बढ़ने से सोयाबीन डीगम के साथ साथ सोयाबीन के अन्य तेलों की कीमतों में सुधार आया। बाजार सूत्रों ने कहा कि सस्ते आयातित तेलों की देश में बढ़ती मांग के आगे देशी तेल तिलहनों को बाजार में खपाना मुश्किल होता जा रहा है। वायदा कारोबार में भी इन तेलों के भाव लागत से काफी कम बोले जा रहे हैं तो ऐसे में किसान, देशी तेल तिलहन उद्योग परेशान हैं कि उनके माल कहां खपेंगे जहां किसानों के पास पहले से मूंगफली और सोयाबीन का काफी स्टॉक पड़ा है और आगामी फसल भी बम्पर रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस बात को संज्ञान में लेना चाहिये कि कुछ तेल आयातक, विदेशों में जिस भाव पर खरीद रहे हैं उसी तेल को बैंकों में अपने कारोबारी रिण खाते को चलाते रहने के लिए, बाजार में सस्ते भाव पर बेच रहे हैं (बेपरता बिकवाली कर रहे हैं) और आगे अपने रिण अदायगी के समय को आगे बढ़वाते रहते हैं। सरकार को ऐसे तत्वों पर नकेल कसनी चाहिये क्योंकि इससे विदेशी मुद्रा की हानि हो रही है, बैंकों के खराब रिण में वृद्धि हो रही है तथा तेल तिलहन उद्योग एवं किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। इन्हीं वजहों से लगभग 70 प्रतिशत खाद्य तेलों के आयात करने वाले देश में देशी तेल मिलें बंद हो रही हैं जबकि विदेशों में तेल मिलें जोर शोर से चल रही हैं। उन्होंने कहा कि सोयाबीन डीगम के भाव पांच प्रतिशत बेपरता बैठ रहे हैं जबकि सीपीओ के भाव 200 रुपये क्विन्टल बेपरता बैठते हैं। इसी प्रकार सूरजमुखी 400 रुपये क्विन्टल और सोयाबीन डीगम 300 रुपये क्विन्टल बेपरता बैठते हैं। ऐसे बेपरता कारोबार करने वालों पर नकेल नहीं कसी गई तो बैंकों के पैसे डूबने की पूरी आशंका है। सूत्रों ने कहा कि गुजरात में सहकारी संस्था नाफेड की बिकवाली से मूंगफली के भाव में हानि दर्ज हुई। तेल-तिलहन के बृहस्पतिवार को बंद भाव इस प्रकार रहे- (भाव- रुपये प्रति क्विंटल) सरसों तिलहन - 4,930- 5,000 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये। मूंगफली दाना - 4,605- 4,655 रुपये। वनस्पति घी- 965 - 1,070 रुपये प्रति टिन। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात)- 12,020 रुपये। मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 1,805- 1,855 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 10,200 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 1,595 - 1,735 रुपये प्रति टिन।

कोविड-19 महामारी लम्बी खिंचना अर्थव्यवस्था के लिए जोखिमः आरबीआई

मुंबई।

भारतीय रिवर्ज बैंक ने बृहस्पतिवार को आंशका जतायी कि कोविड-19 महामारी का संक्रमण लम्बे समय तक खिंचा तो उससे घरेलू अर्थव्यवस्था की हालत और पतली हो सकती है। गौर तलब है कि इस महामारी और उससे निपटने के लिए लागू सार्वजनिक पाबंदियों से कारोबार पहले से ही बुरी तरह प्रभावित हुआ है और चालू वित्त वर्ष में बड़ा आर्थिक संकुचन होने का अनुमान है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की द्वैमासिक बैठक के निष्कर्षों की जानकारी देते हुए कहा कि महामारी पर पहले काबू पा लिया गया तो उसका अर्थव्यस्था पर 'अनुकूल' प्रभाव पड़ेगा। मौद्रिक नीति समिति का अनुमान है कि ग्रामीण अर्थव्यस्था में सुधार मजबूत होगा क्यों कि खरीफ की बुवाई अच्छी चल रही है। विनिर्माण क्षेत्र की इकाइयों को दूसरी तिमाही से मांग बढ़ने की उम्मीद है। उनको लगता है कि 2021-22 की पहली तिमाही तक मांग में धीरे धीरे सुधार होगा। दास ने कहा कि जुलाई में उपभोक्ताओं का आत्मविश्वास रिजर्व बैंक के पिछले सर्वे के समय से और भी कमाजोर हुआ है। समीक्षा में कहा गया है कि विदेशों से भी मांग अभी कमजोर बनी रहेगी। विश्व मंदी में है और विश्व-व्यापार घट रहा है। दास ने कहा, ' चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में अनुमान है कि वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) संकुचन के दौर में रहेगी। पूरे 2020-21 में वास्तविक जीडीपी के गिरने के आसार है।' उन्होंने कहा कि कोविड19 जल्दी काबू में आ गया तो इससे आर्थिक संभावनाओं पर 'अनुकूल' प्रभाव हो सकता है। इसके ज्यादा लम्बा खिंचने, मानसून सामान्य रहने का अनुमान सही न निकलने और वैश्विक वित्तीय बाजार में उठापटक बढने की स्थिति में घरेलू अर्थव्यवस्था पर 'बुरा प्रभाव' पड़ सकता है। दास ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति 2020 की पहली छमाही में कमजोर बनी रही और इसमें छंटनी का रुझान रहा। उन्होंने कहा कि जुलाई में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में कोविड19 संक्रमण में नयी तेजी दिखी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

कोरोना संकट : पीसीबी ने महिला क्रिकेटरों को वित्तीय मदद की पेशकश की

इस्लामाबाद । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 25 राष्ट्रीय महिला क्रिकेटरों को कोरोना वायरस के कारण उपजे संकट के चलते तीन महीने तक वित्तीय सहायता देने की पेशकश की है। इस योजना के तहत जो खिलाड़ी तय मापदंड में खरा उतरेगा उसे यह सहायता दी जाएगी। जो खिलाड़ी 2019-20 घरेलू सत्र में खेली हैं और जिन खिलाड़ियों को 2020-21 में अनुबंध में शामिल नहीं किया गया है, इन खिलाड़ियों को अगस्त से अक्टूबर तक 150 डॉलर (पाकिस्तानी रुपये 25000) मिलेंगे। पीसीबी महिला विंग की प्रमुख उरुज मुमताज खान ने बयान जारी कर कहा, 'कोरोना महामारी से दुनियाभर में महिला क्रिकेट गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई है। इससे हमारी महिला क्रिकेटर पर प्रभाव पड़ा है जिसमें से कुछ खिलाड़ी ऐसी हैं जो अपना घर चलाने का एकमात्र स्त्रोत हैं।

टूर डि पोलैंड साइकिल रेस

रेस जीतने के लिए साइक्लिस्ट ने की गंदी हरकत, बड़े हादसे के बाद कोमा में गया चैम्पियन

स्पोर्ट्स डेस्क ।

टूर डि पोलैंड साइकिल रेस के दौरान पोलैंड के साइक्लिस्ट डायलन ग्रोएवेनगेन द्वारा डेनमार्क के चैम्पियन फैबियो जाकोबसेन को टक्कर मारने के कारण बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे की वजह से जाकोबसेन अब कोमा में हैं और अस्पताल में जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ग्रोएवेनगेन ने ये सब रेस जीतने के लिए किया था और उसकी इस हरकत पर उसे जुर्माना भी लगाया गया है। ग्रोएवेनगेन द्वारा डेनमार्क के चैम्पियन को मारी गई टक्कर इतनी जोरदार थी कि जाकोबसेन की साइकिल हवा में उछलकर दूर जाकर गिरी और एथलीट खुद बहुत दूर तक घिसटते हुए चला गया। जाकोबसेन के साथ ही और भी कई खिलाड़ी इस हादसे में घायल हुए हैं। हादसे के बाद जाकोबसेन को एयर लिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल उनकी स्थिति भी गंभीर बनी हुई है। टूर डि पोलैंड की डॉक्टर बारबरा जर्सकिना के मुताबिक दुर्भाग्य से उनके सिर में गंभीर चोटें आईं हैं और उनका खून बहुत बह गया है। हालांकि वह बहुत स्ट्रॉग हैं और उम्मीद है कि वह जिंदगी की जंग जीत जाएंगे। इस बीच, यूसीआई (यूनियन साइक्लिस्ट इंटरनेशनल) ने टूर डि पोलैंड की स्टेज 1 रेस में डायलन ग्रोएवेनगेन की हरकत की निंदा करते हुए उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मंजूरी देने का अनुरोध किया गया है। उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मंजूरी देने का अनुरोध किया गया है।

शोएब अख्तर ने दिया बेतुका बयान, बोले- बल्लेबाजों को घायल कर दिखाता था अपना प

स्पोर्ट्स डेस्क।

पाकिस्तान टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर एक बार फिर से चर्चा का विषय बने हुए है। जहां अख्तर ने बल्लेबाजों को लेकर बेतुका बयान दिया है। शोएब ने कहा कि जब मैच के दौरान उनकी गेंद पर विपक्षी बल्लेबाज घायल हो जाता था। तब वह अपना प्यार उन्हें दिखाते थे। दरअसल, शोएब ने एक चैनल पर बातचीत के दौरान कहा, मैं कुश्ती नहीं करता। दूसरों के प्रति अपना प्यार दिखाने का यह मेरा रास्ता है। जब मैं किसी को पसंद करता तो मैं उन्हें चोटिल करता हूं। युवराज सिंह, शाहिद अफरीदी और अब्दुल रज्जाक के साथ मैंने यही किया। तो आप कह सकते हैं कि मेरा तरीका थोड़ा जंगली है। मेरी युवावस्था में यह काफी मूर्खतापूर्ण था। मैंने अपनी ताकत को कभी ठीक से नहीं समझा। अख्तर ने आगे कहा, मेरे लिए 100 मीटर प्रति घंटे की सीमा को पार करना कोई बड़ा काम नहीं था। यह सब मीडिया हाइप थी, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट गिमिक। यह तेज गेंद फेंकने के लिए मुझे कुछ नहीं मिला। अल्लाह जानता है कि मैंने इसके लिए ट्रेनिंग ली और इसमें सफल हो गया। मैं इसके लिए 26 याड्र्स पर गेंदबाजी करता था, जो क्रिकेट गेंद से आसान नहीं है। जब मैं 22 यार्ड पर गेंदबाजी करने लगा तो मैं लगभग छह किलोमीटर तेज रफ्तार से गेंद फेंक रहा था। गौरतलब है कि इ करियर में उन्होंने 46 टेस्ट और 163 वनडे खेले। उन 178 टेस्ट विकेट और 247 विकेट रहे।

टेस्ट में उन्होंने 12 व विकेट लिए और दो टेस्ट मै पारियों में कुल 10 विकेट त कारनामा भी किया। शोएब व ही क्रिकेट इतिहास की सब गेंद फेंकने का रिकॉर्ड र ज्यादातर चोट या विवाद कारण टीम से बाहर रहे।

'स्ट्रेंथ ट्रेनिंग' शामिल करना शानदार रहा: मेमोल रॉकी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की मुख्य कोच मेमोल रॉकी ने हाल में हुए अपनी टीम के सुधार के पीछे खिलाड़ियों के लिये शुरू की गयी 'स्ट्रेंथ ट्रेनिंग' को श्रेय दिया। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ़) टीवी से बात करते हुए मेमोल ने उस समय का जिक्र किया जब पहली बार टीम में इसे शुरू किया गया था। मेमोल ने कहा, ''हम ओलंपिक क्वालीफायर के लिये तैयारी कर रहे थे और मुझे याद है हमारे महासचिव कुशल दास सर और राष्ट्रीय टीम के निदेशक अभिषेक यादव के साथ बैठक हुई थी। हमारा एक लंबा शिविर हुआ था और तभी पहली बार हमने 'स्ट्रेंथ ट्रेनिंग' को शामिल किया था।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास दो फिजियो थे, दोनों 24 घंटे सातों दिन लड़कियों के साथ अलग अलग ट्रेनिंग पर काम करते रहते थे। हमारा सुबह एक 'स्ट्रेंथ ट्रेनिंग' का सत्र होता था और शाम में 'टैक्टिकल' सत्र।'' उन्होंने कहा, ''हमारा एक वीडियो सत्र भी होता था जिसमें हम लड़कियों को दिखाते थे कि वे कहां गलत रहीं और उनके खेल में सुधार पर काम करते थे। इससे काफी अंतर पड़ा।'' मेमोल ने कहा, ''खिलाड़ियों को पिच पर भी मजबूत होने की जरूरत है और इस इकाई ने यह दिखा दिया है।'' स्ट्रेंथ सत्र के अलावा फिजियो ने उनके खान-पान पर भी काफी ध्यान दिया। उन्होंने कहा, '' यह जानना होता है कि क्या खाया जाये। वे पहले सामान्य घर का खाना खाती थीं, लेकिन मैंने एक नियम बना दिया कि जब भी कोई वजन बढ़ाकर लौटी तो उसे शिविर के दौरान ज्यादा काम करना होगा। इससे लड़कियां थोड़ी सतर्क हो गयीं। '' उसे शिविर के दौरान ज्यादा काम करना होगा। इससे लड़कियां थोड़ी सतर्क हो गयीं।'' भारत ने पहली बार एएफसी महिला ओलंपिक क्वालीफायर के पहले दौर के लिये क्वालीफाई कर इतिहास रच दिया था।

बाबर के अर्धशतक पर इंग्लैंड के कमेंटेटर बोले- अगर ये कोहली ने किया होता तो सब बातें करते

स्पोर्ट्स डेस्क ।

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट में बाबर आजम ने अर्धशतक लगा दिया है। उनकी पारी देखने के बाद इंग्लैंड के क्रिकेट कमेंटेटर और पूर्व खिलाड़ी नासिर हुसैन खुद को रोक नहीं पाए और कहा कि अगर ये विराट कोहली ने किया होता तो सब इस बारे में बात करते। हुसैन ने एक स्पोर्ट्स चैनल पर कमेंट्री करते हुए कहा, अगर ये विराट कोहली (भारतीय कप्तान) ने किया होता तो सभी उसकी बात कर रहे होते लेकिन ये बाबर आजम ने किया है, कोई इस बारे में बात नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, वे फैब फोर (कोहली, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ, न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और इंग्लैंड के कप्तान जो रूट) के बारे में सोचते रहते हैं - यह फैब फाइव है और बाबर आज़म भी इसमें है। इंग्लैंड के कोच क्रिस सिल्वरवुड भी बाबर की बल्लेबाजी से प्रभावित दिखे और कहा कि हम जानते हैं कि हम एक बहुत अच्छे बल्लेबाज के खिलाफ हैं। गौर हो कि मैच के पहले दिन बारिश ने खलल डाला लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान के मशहूर बल्लेबाज बाबर आजम ने अर्धशतक लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिए जबकि क्रीज पर उनके साथ खड़े शान मसूद 46 पर नॉट आउट रहे। पाकिस्तान ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट के नुक्सान के साथ 139 रन बनाए और बाबर ने लगातार 50 से ज्यादा स्कोर बनाया। बाबर ने इससे पहले तीन मैचों में शतक भी लगाए।

गौर हो कि मैच के पहले दिन बारिश ने खलल डाला लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान के मशहूर बल्लेबाज बाबर आजम ने अर्धशतक लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिए जबकि क्रीज पर उनके साथ खड़े शान मसूद 46 पर नॉट आउट रहे। पाकिस्तान ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट के नुक्सान के साथ 139 रन बनाए और बाबर ने लगातार 50 से ज्यादा स्कोर बनाया। बाबर ने इससे पहले तीन मैचों में शतक भी लगाए।

संक्षिप्त समाचार

एलेक्सिस सांचेज के साथ स्थाई करार करेगा इंटर मिलान

गेलसेरकिरचेन। मैनचेस्टर यूनाईटेड से ऋण पर एलेक्सिस सांचेज के साथ इंटर मिलान स्थायी करार क मैनचेस्टर यूनाईटेड के मैनेजर ओले गुनार सोल्सकर ने यह जान दी। सांचेज के स्थायी रूप से इंटर से जुड़ने की खबरों पर सोल ने ब्रिटिश प्रसारणकर्ता बीटी स्पोर्ट्स से बुधवार को कहा, 'मैं कर सकता हूं। एलेक्सिस वहां अच्छा समय बिताएगा, एक अ खिलाड़ी, मैं उसे शुभकामनाएं देता हूं। यूनाईटेड की ओ अधिकतर मैचों में बेंच पर बैठने वाले चिली के 31 साल फारवर्ड सांचेज अगस्त में ऋण पर इंटर मिलान से जुड़े थे।

ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने बनाया संन्यास का प्लान

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का कहना है कि वह क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले इंग्लैंड में एशेज और भारत में टेस्ट सीरीज जीतना चाहते हैं। आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया ने 2001 में स्टीव वॉ के नेतृत्व में इंग्लैंड में एशेज सीरीज जीती थी। पिछले साल हुई एशेज में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच सीरीज 2-2 से ड्रा रही थी। इस सीरीज में स्मिथ ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था और चार टेस्ट में 774 रन बनाए थे। हालांकि वह जोफा आर्चर की बाउंसर से सर में चोट लगने के कारण तीसरे टेस्ट से बाहर रहे थे। स्मिथ ने कहा कि एशेज नहीं जीतने से उन्हें काफी निराशा हुई और यह उनके लिए अधूरा काम जैसा है। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि एशेज वापस आना विशेष है। दुर्भाग्य से हम ऐसा नहीं कर पाए जिसे मैं अभी भी करना चाहता हूं। उन्होंने कहा, 'मेरे निजी विचार से यह अधूरा काम है। एशेज रिटेन करना सुखद है लेकिन यह मेरे लिए सही नहीं है जब तक आप इसे जीत ना लें। हमने सीरीज ड्रा की, जो सही है लेकिन बेहतरीन नहीं है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले साल ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज होनी है और इसके बाद इंग्लैंड में 2023 में इसका आयोजन होना है, तब तक स्मिथ 34 वर्ष के हो चुके होंगे। स्मिथ ने कहा कि भारत के साथ टेस्ट सीरीज जीतना भी एक अधूरा काम है जिसे उन्हें पूरा करना है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत में 2004 के बाद से सीरीज नहीं जीती है। 73 टेस्टों में 26 शतकों की मदद से 7227 रन बना चुके स्मिथ ने कहा, 'इंग्लैंड में एशेज और भारत में टेस्ट सीरीज जीतना बड़ा काम है जिसे मुझे पूरा करना है और यह मेरे लिए काफी विशेष है। मुझे उम्मीद है कि मैं ऐसा कर लूंगा। मेरी उम्र हो रही है और आपको नहीं पता कि आप कब तक खेल सकते हैं। आपको नहीं पता कि आपका भविष्य क्या होगा।

मुझे खेल में और सुधार करने की जरूरत है- विश्व शतरंज चैम्पियन मेगनस कार्लसन

नॉर्वे । मेगनस कार्लसन नें जिस अंदाज में लिजेंड्स ऑफ चैस का खिताब जीता है पूरी दुनिया में उनकी चर्चा इस बात को लेकर हो रही है की शायद मौजूदा समय में दूसरा कोई खिलाड़ी उनके आस पास भी नहीं है पर ऐसे समय में भी कार्लसन अपने खेल में सुधार की गुंजाइश देखते है और यही बात उन्हे बेहद खास बनाती है । खिताब जीतने के बाद उन्होने चेस 24 से बातचीत करते हुए कहा की यह बेशक परिणाम शानदार है, लेकिन हमेशा काम करने के लिए चीजें होती हैं और अब जो ग्रांड फाइनल आ रहा है वहाँ मुझे और कठिन प्रतिद्वंदीयों का सामना करना होगा इसलिए मुझे भी और सुधार करने की जरूरत है दरअसल कार्लसन का इशारा वह इसी टूर का सुपर फाइनल खेलने को लेकर था जहां उनके सामने प्ले ऑफ मे होंगे चीन के डिंग लीरेन जबकि अमेरिका के हिकारु नाकामुरा रूस के डेनियल डुबोव से खेलेंगे 18 अप्रैल से शुरू हुये मेगनस कार्लसन शतरंज टूर अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुँच गया है । चार माह और 2 दिन मे पूरे होने वाले इस टूर नें इस कोरोना काल मे भी शतरंज को जारी रखने और सीखने समझने का भरपूर मौका दुनिया भर के लोगो को दिया और खेल को एक नयी पहचान भी हासिल हुई । मेगनस कार्लसन नें इस टूर के सबसे ज्यादा खिताब हासिल किए । 1 मिलियन डॉलर के इस टूर का अंतिम पड़ाव अब 9 अगस्त से शुरू होने जा रहा है और इसमें टूर के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी नॉर्वे के मेगनस कार्लसन, चीन के डिंग लीरेन, रूस के डेनियल डुबोव और अमेरिका के हिकारु नाकामुरा खेलते नजर आएंगे । इस ग्रांड फाइनल में कुल 3लाख डॉलर की पुरूष्कार राशि होगी । इसमें टूर के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी नॉर्वे के मेगनस कार्लसन, चीन के डिंग लीरेन, रूस के डेनियल डुबोव और अमेरिका के हिकारु नाकामुरा खेलते नजर आएंगे । इस ग्रांड फाइनल में कुल 3लाख डॉलर की पुरूष्कार राशि होगी ।

संन्यास पर बोले पूर्व धमाकेदार ऑलराउंडर युवराज सिंह, कही बात

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व धमाकेदार आलराउंडर युवराज सिंह ने अपने संन्यास के फैसले पर बात करते हुए कहा कि उन्हें इस बात का कोई भी पछतावा नहीं है। युवराज ने पिछले साल (2019) जून को मुंबई में एक प्रैस कांफ्रेंस आयोजित कर संन्यास की घो की थी। संन्यास के फैसले पर बात करते हुए युवराज ने मीडिया हाउस से कहा, अपने देश के लिए खेलना एक अकथ भावना है और मुझे उस अवसर पर खुशी है। यह एक रोलर क की सवारी जैसा था लेकिन अच्छा लगा कि मुझे 28 साल के बनाए गए इतिहास का हिस्सा बनने का मौका दिया। मैं हर उस व का आभारी हूं जो मेरी इस यात्रा में मेरा हिस्सा बना। उन्होंने मैंने इस खेल (क्रिकेट) को पूरी ईमानदारी के साथ खेला है। ऑलराउंडर ने कहा, बदले में, मुझे केवल ईमानदारी की उम्मीद मैंने महसूस किया कि यह अनुभव मेरे साथ ही नहीं बल्कि दिग्गज और बेहद सफल खिलाड़ियों के साथ भी हुआ है। समय भी था जब मुझे टीम प्रबंधन से समर्थन की कमी महसूस और एक पेशेवर के रूप में, मैंने इसकी सराहना की कि संच स्पष्ट थे। उन्होंने कहा, मुझे आगे बढ़ने के अपने फैसले पर पछतावा नहीं है और मैं अगले एक-दो साल तक टी 20 ब्रि खेलना जारी रखना चाहता हूं। गौर हो कि युवराज 2007 व वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप का हिस्सा थे। युवरा अपने करीब 19 साल के क्रिकेट करियर में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

पूर्व हॉकी खिलाड़ी ने कहा- मौजूदा भारतीय हॉकी टीम में है विश्वस्तरीय डिफेंस

बेंगलुरू । पूर्व हॉकी खिलाड़ी वीआर रघुनाथ का मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम के पास विश्वस्तरीय रक्षापंक्ति और स्तरीय ड्रैग फ्लिकर हैं और टीम अगले साल होने वाले तोक्यो ओलंपिक के दौरान दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों को चुनौती दे सकती है। भारतीय टीम के स्टार ड्रैग फ्लिकरों में शामिल रहे रघुनाथ ने कहा कि टीम में चार पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञों का होना तोक्यो ओलंपिक से पहले आठ बार की चैंपियन टीम के लिए अच्छा है। कोरोना वायरस महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक को अगले साल तक स्थगित किया गया है। रघुनाथ ने कहा, 'वे काफी अनुभवी हैं और मौजूदा डिफेंडरों ने एक साथ 50 से 80 मैच खेले हैं। वे एक दूसरे को काफी अच्छी तरह जानते हैं और जब उन्हें दुनिया की किसी भी शीर्ष टीम के खिलाफ मुश्किल मैच स्थिति में डाला जाएगा तो भी मुझे कोई समस्या नजर नहीं आती। उन्होंने कहा, 'पूरा मैच खेलने वाले दो शीर्ष ड्रैग फ्लिकर की मौजूदगी भारतीय टीम के लिए फायदे की स्थिति है। हरमनप्रीत सिंह और रूपिंदर पाल सिंह दोनों अच्छे हैं और उनके काम करने का तरीका और क्षमता बिलकुल अलग है। ड्रैग फ्लिक में विभिन्न विकल्प और संयोजन होना हमेशा अच्छा होता है। रघुनाथ ने कहा, 'इसके अलावा वरूण कुमार और अमित रोहिदास के रूप में भारत के पास अच्छे विकल्प हैं और जब दो शीर्ष फ्लिकर में से एक लय में नहीं होगा तो वे अच्छा साथ दे सकते हैं।

लोगों के विरोध के बाद बीसीसीआई ने उठाया बड़ा कदम,विवो के साथ रद्द हुआ करार

स्पोर्ट्स डेस्क।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच गुरूवार को चीनी मोबाइल फोन कंपनी विवो के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए टाइटल प्रायोजन करार निर्लंबित कर दिया। बीसीसीआई ने एक पंक्ति का बयान भेजा जिसमें कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई और इसमें कहा गया कि विवो इस साल आईपीएल के साथ जुड़ा नहीं होगा। दरअसल, बीसीसीआई ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और विवो मोबाइल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 2020 में इंडियन प्रीमियर लीग के लिए अपनी साझेदारी को स्थगित करने का फैसला किया है। बता दें, विवो ने 2018 से 2022 तक पांच साल के लिए 2190 करोड़ रूपए (प्रत्येक वर्ष करीब 440 करोड़ रूपए) में आईपीएल प्रायोजन अधिकार हासिल किए थे। बीसीसीआई के अपने संविधान के अनुसार नए टाइटल प्रायोजक के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू करने की संभावना है। गौर हो कि आईपीएल संचालन परिषद (जीसी) ने रविवार को हुई वर्चुअल बैठक में फैसला किया कि सरकार की मंजूरी मिलने की स्थिति में (अगले दो दिन में मिलने की उम्मीद) टूर्नामेंट 19 सितंबर से 10 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तीन स्टेडियमों- दुबई, शारजाह और अबुधाबी- में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, '53 दिन के टूर्नामेंट में 10 मैच दोपहर को खेले जाएंगे जो भारतीय समयानुसार साढ़े तीन बजे शुरू होंगे जबकि शाम के मैच भारतीय समयानुसार साढ़े सात बजे शुरू होंगे।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने जो रूट को फैब फोर से किया बाहर, इस पाकिस्तानी खिलाड़ी को दी जगह

मैनचेस्टर । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का मान कि क्रिकेट जगत पाकिस्तान के बाबर आजम को विराट को और केन विलियमसन के कद के खिलाड़ियों के बीच जगह 'फैब फोर' की जगह 'फैब फाइव' के बारे में बात करें। फिल खेल रही आधुनिक युग की दिग्गज चौकड़ी में आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और इंग्लैंड के कप्तान जो रूट भी शामिल हैं। हुसै कहा, 'वे फैब फोर (कोहली, स्मिथ, न्यूजीलैंड के विलियमसन रूट) के बारे में बात करते रहते हैं- यह फैब फाइव है और आजम भी इसमें शामिल है। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्ता सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बाबर ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की प पारी में 69 रन बनाए। हुसैन ने कहा, 'मुझे लगता है कि शर्मनाक पाकिस्तान अपने घर से दूर खेल रहा है, हमेशा यूएई में खेल र जहां उसके खिलाड़ियों को देखने के लिए कोई नहीं है। इससे नहीं पा रहा, आईपीएल में नहीं खेल पा रहा और ना ही भारत पाकिस्तान भारतीय क्रिकेट की परछाई में छिपा हुआ है, इससे नहीं पा रहा, आईपीएल में नहीं खेल पा रहा और ना ही भारत हुसैन ने कमेंटरी के दौरान कहा, 'अगर वह विराट कोहली होत सभी उसके बारे में बात करते, लेकिन वह बाबर आजम है इस कोई उसके बारे में बात नहीं कर रहा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में 13 की बच्ची से हैवानियत, चेहरे-सिर पर कैंची से वार...केजरीवाल बोले-छोड़ेंगे नहीं आरोपी को

नेशनल डेस्क।

पश्चिमी दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में 13 साल की एक बच्ची के साथ एक अज्ञात व्यक्ति ने दुष्कर्म की कोशिश की। बच्ची के शरीर पर चोट के निशान हैं और अभी उसकी हालत नाजुक है। बच्ची को में भर्ती कराया गया है। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बच्ची के साथ हुई हैवानियत पर ट्वीट किया और जानकारी दी कि वह बच्ची का हाल जानने के लिए जा रहे हैं। केजरीवाल ने ट्वीट किया कि एक 13 साल की बच्ची के साथ हैवानियत भरी वारदात की जानकारी ने आत्मा को अंदर तक झकझोर दिया है। ऐसे दरिंदे अपराधियों का खुला घूमना बर्दाश्त के बाहर है। पीड़ित बच्ची का हाल जानने के लिए मैं थोड़ी देर में जा रहा हूं। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार की है। अभी आरोपी गिरफ्त से बाहर है लेकिन उसे जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। आरोपी का पता लगाने के लिए पुलिस पड़ोसियों से पूछताछ करने के साथ ही आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने कहा कि उन्हें घटना की सूचना मंगलवार शाम को मिली। पड़ोसियों ने पीड़िता को खून से लथपथ देखने के बाद पुलिस और उसके माता-पिता को सूचना दी। पीड़िता को पास के ही एक अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे के लिए रेफर किया गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मुकद्दमा दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने बच्ची से गलत हरकत करनी चाही तो उसने विरोध किया जिसके बाद शख्स ने कमरे में पड़ी कैंची उठाई और बच्ची के शरीर पर हमला कर दिया। बच्ची के सिर, पेट व पीठ पर वार किए गए हैं। वहीं घायल होने बावजूद बच्ची ने हिम्मत दिखाई और खून से लथपथ अवस्था में घर से बाहर की ओर भागी।

बच्ची के माता-पिता मजदूरी करते हैं। बड़ी बहन घर में ही सिलाई मशीन से कपड़े सिलने का काम करती हैं। मंगलवार शाम को बच्ची घर पर अकेली थी और आरोपी घात लगाकर बैठा था।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर की शान है डल में तैरती हाउसबोट, कोरोना महामारी के चलते खतरे में है खूबसूरत नगीने

श्रीनगर। कोरोना महामारी ने जहां पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था को हिला कर रख दिया है वहीं धरती का स्वर्ग कश्मीर भी इससे अछूता नहीं है। कश्मीर की इकानॉमी पूरी तरह से पर्यटन पर आधारित है और कोविड 19 के कारण इसे काफी नुकसान हो रहा है। एक ऐसी चीज जो इस समय सबसे ज्यादा प्रभावित है वो है कश्मीर की झीलों में तैरती सुन्दर हाउसबोटें। देवदार की लकड़ी से बनी यह हाउसबोटें अन्दर से जितनी खूबसूरत होती हैं उतना ही सुन्दर और मनोरम होता है इनके अन्दर रहकर बाहर का नजारा देखना। नब्बे के दशक में कश्मीर के लोगों ने झीलों में तैरती कश्तियों की कहानी शुरू की। इसका मुख्य लक्ष्य था पर्यटकों को अकर्षित करना। कश्मीरी कारिगरी और उम्दा मेहमाननबाजी का नमूना। तभी से यह हाउसबोटें श्रीनगर की नगीना बन गई हैं और विश्वप्रसिद्ध डल झील की शान बढ़ा रही हैं। मजेदार बात यह है कि इन हाउसबोटों के नाम भी बड़े मजेदार हैं। कुछछ ने इनका नाम विदेशी देशों के नाम पर रखा है तो कईयों ने खूबसूरत मेहमानों के नाम पर। डल में न्यूजीलैंड, शिकागो जैसे कई नामों से आपको हाउसबोट मिल जाएंगी। विदेशी पर्यटक इनमें अपनी लंबी छुट्टियों के दौरान महीनों गुजार देते हैं। हॉलीवुड नाम की एक बेहद सुन्दर हाउसबोट के मालिक है तारीक। उन्होंने बताया कि लंबे समय से इस व्यापार में हैं पर अब मुश्किल दौर है। घाटे में चल रहा है हाउसबोट का काम पर उम्मीद है कि फिर से भविष्य रोशनी की किरन से चमकेगा। उन्होंने कहा, जब गोलियां चलती थीं तब भी पर्यटक आते थे। मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि अब क्या हो गया। ऐसा लगता है कि इस उदयोग को खतम करने की साजिश की जा रही है। श्रीनगर में कोई आतंकी नहीं है। कोरोना वायरस की बात करें तो यह चलता रहेगा पर हमारा काम धंधा सब खत्म हो रहा है। पिछले वर्ष धारा 370 हटने के बाद से जम्मू कश्मीर में उपजे हालातों के बाद कश्मीर में पर्यटन उदयोग को काफी नुकसान पहुंचा। इस बार टूरिजम को लेकर इससे जुड़े लोगों को काफी उम्मीदें थी पर यह वर्ष भी बेकार साबित हुआ। इससे जुड़े कई युवा बेरोजगार हो गये हैं। उन्होंने सरकार से इस तरफ ध्यान देने और उन्हें बचाने की गुहार लगाई है।

कैलाश विजयवर्गीय की नरोत्तम मिश्रा को नसीहत- अपनी पुलिस को समझाइए

इंदौर। अयोध्या में राम मंदिर का भूमिपूजन और शिलान्यास होने के बाद पूरे देश में जश्न मनाया गया देश भर में लोगों ने अपने घरों में दिये जलाए, आतिशबाजी

की गई। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश के खरगोन में पुलिस ने कुछ लोगों को खुशियां मनाते वक्त सराफा बाजार में पकड़ लिया था। इस घटना को लेकर मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नेता व बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी ही पार्टी की सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। कैलाश विजयवर्गीय ने खरगोन से सामने आए सराफा बाजार के वीडियो को ट्वीट करते हुए लिखा है कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि आज देश के लिए गौरव का दिन हैं। अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास हुआ सारा देश खुशियाँ मना रहा है। ऐसे में खरगोन के सराफा बाजार में उत्सव और खुशियां मनाते युवकों पर पुलिस कार्रवाई अनुचित है। कैलाश विजयवर्गीय ने इसके साथ एक अन्य ट्वीट भी किया, जिसमें उन्होंने मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा को टैग करते हुए कहा है कि खरगोन पुलिस बंगाल पुलिस की तरह व्यवहार कर रही है, उसे समझाइश दीजिए।

कुलगाम में मोटराइकल सवार आतंकियों ने भाजपा सरपंच को मारी गोली, मौत

श्रीनगर। आतंकवादियों ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के नेता को निशाना बनाया है। कुलगाम में भाजपा के सरपंच की गोली मार कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सजाद अहमद के तौर पर हुई है। उन्हें उस समय गोली मारी गई जब वह किसी काम से अपने घर से बाहर गये हुये थे। जनकारी के अनुसार कुछ मोटरसाइकल सवारों ने सजाद पर अंधाधुंध गोलियां बरसा दी। सजाद खून से लथपथ होकर वहीं गिर पड़े। आनन फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया पर डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित करार दिया। आपको बता दें कि जुलाई में बांदीपोरा में आतंकियों ने भाजपा के एक नेता और उसके पिता व भाई की हत्या कर दी थी। वहीं एक माह पूर्व यानि कि आठ जून को कांग्रेस नेता अजय पंडित की भी हत्या कर दी गई थी। सरपंचों की इस तरह से हो रही हत्याओं को लेकर घाटी में डर का माहौल है।

सुशांत केस की जांच करने मुंबई गई बिहार पुलिस लौटी पटना, एसपी विनय तिवारी अभी भी क्वारंटाइन

पटना। सुशांत सुसाइड मामले में जांच के लिए मुंबई गई बिहार पुलिस की टीम वापस पटना लौट आई है। केंद्र सरकार द्वारा सीबीआई जांच की अनुमति मिलने के बाद टीम का वहद्द

कोई काम नहीं था। वहीं पटना सिटी एसपी विनय तिवारी अभी भी मुंबई में क्वारंटाइन हैं। दरअसल, एक सप्ताह पहले बिहार पुलिस के 4 अधिकारी सुशांत केस की जांच करने मुंबई गए थे। अब सुशांत केस सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया है लिहाजा बिहार की पुलिस जांच स्थगित कर वापस लौट आई है। पटना पुलिस की टीम अब अपनी जांच रिपोर्ट एसएसपी उपेन्द्र शर्मा को सौंपेगी। इसके बाद टीम के सभी सदस्य आईजी संजय सिंह से मुलाकात करेंगे और जांच के संबंध में जानकारी देंगे। वहीं पटना के सिटी एसपी विनय तिवारी अभी भी मुंबई में क्वारंटाइन हैं। बीएमसी ने उन्हें जबरन 14 दिनों के क्वारंटाइन में भेज दिया है। बिहार सरकार ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। बावजूद इसके बीएमसी मा1ने को तैयार नहीं है। इसके अतिरिक्त उन्होंने बिहार पुलिस की अपील को भी खारिज कर दिया।

भारत की मजबूत आवाज़ बनी सुषमा स्वराज को भाजपा का नमन, पीएम मोदी ने भी किया याद

नेशनल डेस्क।

पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की पहली पुण्यतिथि पर वीरवार को भाजपा के वरिष्ठ नेताओं व कई केंद्रीय मंत्रियों ने उन्हें याद किया और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मौके पर पूर्व विदेश मंत्री को नमन किया। पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा कि सुषमा जी की पहली पुण्यतिथि पर उनको नमन। उनके निधन से हर किसी को दुख पहुंचा था। वह देश की सेवा की और दुनिया में भारत के लिए मजबूत आवाज़ बनी। पीएम मोदी ने इसी के साथ सुषमा स्वराज की प्रार्थना सभा में दी गई स्पीच भी साझा की है। वहीं भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने ट्वीट कर कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री, सरलता व सौम्यता की प्रतिमूर्ति, मृदुभाषी एवं प्रखर वक्ता, पद्म विभूषण श्रीमती सुषमा स्वराज जी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन। सुषमा स्वराज को जन-जन की नेता बताते हुए नड्डा ने कहा कि उन्होंने सदैव जनसेवा को ही प्राथमिकता दी। राष्ट्र निर्माण में उनके द्वारा किए गए कार्य व संघर्ष अविस्मरणीय रहेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सुषमा स्वराज को अपनी प्रेरणा बताते हुए कहा कि आज, पहले से कहीं ज्यादा उनकी याद आती है। सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने ट्वीट किया कि देश की पूर्व विदेश मंत्री व एक ओजस्वी वक्ता आदरणीया सुषमा स्वराज जी की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उन्हें सबसे ऊंचे कद की भारतीय महिला नेताओं में से एक बताया और कहा कि देश के लिए उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''वह लोगों के बीच घुल मिल जाती थीं। उन्होंने अपना पूरा जीवन जन सेवा में खपा दिया। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सुष्मा स्वराज को एक ओजस्वी वक्ता, दूरदर्शी नेता और इन सबसे अधिक एक करूणामयी इंसान के रूप में याद किया जाएगा।

अयोध्या में मौजूद इस प्रसिद्ध मंदिर का भगवान राम के परिवार से है खास नाता

नेशनल डेस्क। अयोध्या में श्री राम मंदिर की आधारशिला रखे जाने के बाद भगवान राम की कुलदेवी 'बड़ी देवकाली के यहां स्थित मंदिर में भी श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। देवकाली मंदिर के मंहत को उम्मीद है कि राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को 'बड़ी देवकाली मंदिर की महत्ता की भी जानकारी मिलेगी। ऐसी मान्यता है कि बड़ी देवकाली भगवान राम की कुलदेवी थी और यह तीन देवियों महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती का संगम है। मंदिर के महंत सुनील पाठक ने कहा कि बड़ी देवकाली के मंदिर को लेकर इस इलाके में काफी श्रद्धा है। बड़ी देवकाली भगवान राम की कुलदेवी है। उन्होंने कहा कि मैं एक अयोध्यावासी होने के नाते बहुत प्रसन्न हूं कि भगवान राम को उनका जन्म स्थान मिल गया। भगवान राम भारत की आत्मा हैं। मेरा मानना है कि जब राम मंदिर के दर्शन करने श्रद्धालु अयोध्या आयेंगे, तो वे बड़ी देवकाली मंदिर के दर्शन करने भी जरूर आयेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि श्रद्धालुओं को जब इस मंदिर का भगवान राम के परिवार के संबंध होने के बारे में जानकारी मिलेगी, तो वे बड़ी संख्या में यहां भी आयेंगे। पाठक ने मंदिर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये कहा कि भगवान राम के पूर्वज राजा रघु को सपने में देवी के दर्शन हुये थे। देवी ने उन्हें यज्ञ करवाने का निर्देश देते हुये कहा था कि युद्ध में उनकी विजय होगी।

महाराष्ट्र- अचानक आई बाढ़ में बही 5 साल की बच्ची, 4 घंटे तक पेड़ की डाली पकड़ बचाई जान

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र के पालघर जिले के दहानू तालुका में भारी बारिश की वजह से अचानक आई बाढ़ के कारण पेड़ पर चार घंटे तक फंसी रही 5 साल की बच्ची को बुधवार को बचा लिया गया। जिले के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार की रात को भारी बारिश हुई जिससे शेनशाई में स्थित बच्ची का घर पानी में डूब गया और परिवार को तड़के किसी सुरक्षित स्थान के लिए घर से निकलना पड़ा। उन्होंने बताया कि रास्ते में एक पुल को पार करने के दौरान पानी की तेज लहरों की वजह से बच्ची परिवार से अलग हो गई और पेड़ पर चढ़ गई। अधिकारी ने बताया कि बच्ची चार घंटे से ज्यादा वक्त तक पेड़ की डाल को पकड़े बैठी रही। सुबह करीब छह बजे ग्रामीणों ने उसे बचा लिया। उन्होंने बताया कि बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। बता दें कि भारी बारिश से मुंबई में काफी बुरा हाल है। नुंबई की सड़कें पानी में डूब गईं और लोगों के घरों में पानी घुस गया।

ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन अध्यक्ष रशीदी की गीदड़भभकी, राम मंदिर तोड़ बनेगी मस्जिद

नेशनल डेस्क।

अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन और शिलान्यास के एक दिन बाद ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन की तरफ से गीदड़भभकी दी गई है। एसोसिएशन के अध्यक्ष साजिद रशीदी ने कहा कि राम मंदिर को तोड़कर वहां मस्जिद बनाई जाएगी। रशीद ने कहा कि विवादित स्थल पर कभी कोई मंदिर नहीं था। वहां बाबरी मस्जिद थी और मस्जिद ही रहेगी। रशीद ने कहा कि इस्लाम कहता है कि मस्जिद हमेशा मस्जिद ही रहेगी। कुछ और निर्माण करने के लिए मस्जिद को तोड़ा नहीं जा सकता। रशीद ने कहा कि हमारा मानना है कि बाबरी मस्जिद वहां थी और वह हमेशा मस्जिद के रूप में वहां रहेगी। एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि कोई मंदिर तोड़ कर मस्जिद नहीं बनाई गई लेकिन अब मंदिर तोड़कर मस्जिद जरूर बनाई जाएगी। रशीद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने राम मंदिर के भूमि पूजन में जाकर संविधान का उल्लघंन किया है। बता दें कि भूमि पूजन से पहले ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी इसी तरह का भड़काऊ बयान जारी किया था। बोर्ड ने कहा था कि बाबरी मस्जिद कल भी थी, आज भी है और कल भी रहेगी। मस्जिद में मूर्तियां रख देने से या फिर पूजा-पाठ शुरू कर देने या एक लंबे अर्से तक नमाज पर रोक लगा देने से मस्जिद का वजूद खत्म नहीं हो जाता। बोर्ड ने भी मंदिर

गिराकर मस्जिद बनाने की चेतावनी दी गई थी। बता दें कि पीएम मोदी ने 5 अगस्त को शिलान्यास के दौरान 9 शिलाओं का पूजन किया और चांदी ईंट व चांदी के फावड़े के साथ मंदिर की नींव रखी।

राहुल गांधी ने शुरू की बिहार चुनाव की तैयारी, वर्चुअल रैली को किया संबोधित

पटना।

बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इसी के चलते सभी राजनीतिक पार्टियां चुनावी मोड में नजर आ रही हैं। इसी बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी आज से मिशन बिहार की शुरुआत कर दी है। राहुल गांधी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअल रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बिहार की मौजूदा स्थिति, बाढ़-कोरोना का असर और राजनीतिक हालातों पर चर्चा की। उन्होंने चीन विवाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी घेराव किया। उन्होंने कहा कहा कि पीएम मोदी चीन मामले में देश से झूठ बोलकर शहीदों का अपमान कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि चीन ने बिहार रेजिमेंट के 20 जवानों को मार दिया, लेकिन हमारे पीएम चुप हैं। आखिर जवानों के परिवार को कौन बताएगा कि सैनिक क्यों शहीद हुए हैं। चीन आज भी हमारी जमीन पर कब्जा किए हुए है। बता दें कि वर्चुअल संवाद में बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा, अन्य पदाधिकारी, केंद्रीय टीम के कुछ नेता और प्रभारी मौजूद रहे।

गांव तक पहुंचने के लिए सड़क नहीं, तो मरीज को खाट पर लेकर तीन किमी चले ग्रामीण

छत्तीसगढ। कोरिया जिले के खड़गवां विकासखंड यह तस्वीर जिला मुख्यालय से लगभग 50 किमी दूर ग्राम पंचायत कटकोना के नेवारी बहरा की है। जहां वृद्ध सुखराम के बीमार होने की सूचना पर संजीवनी 108 एंबुलेंस तो पहुंची लेकिन एंबुलेंस वृद्ध को लेने उसके घर तक नहीं पहुंच पाई, क्योंकि यहां तक चार पहिया वाहन जाने के लिए कामचलाऊ सड़क भी ही नहीं है। ऐसे में वहां मौजूद ग्रामीणों ने वृद्ध को कच्चे पगडण्डी के रास्ते चलकर 108 एंबुलेंस तक 3 किमी खाट पर लेकर आएं। उसके बाद वृद्ध को फिर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र खड़गवां लाया गया। ऐसा करने में कई घंटे लग गए। ये कोई पहला मामला नहीं है कोरिया जिले के कई इलाकों में खाट वाली एंबुलेंस की ऐसी तस्वीर अक्सर देखने को मिलती है। क्योंकि सड़क नहीं होने से ऐसा करना ग्रामीणों की बड़ी मजबूरी है। आत्मा कचोट देने वाली यह तश्वीर प्रशासन के ही खाट पर होने का संदेश बयां कर रही है। जानकारी के अनुसार, मनेंद्रगढ़ विधानसभा के खड़गवां जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत कटकोना नेवारी बहरा गांव में मंगलवार के दिन अचानक सुखराम पंडो की तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल ले जाने के लिए 108 नंबर पर एंबुलेंस के लिए सूचना दी। सूचना मिलने के बाद एंबुलेंस आई तो जरूर पर वृद्ध के घर से 3 किलोमीटर दूर ही सड़क ना होने के कारण रुक गई।

अब ऐसे में उसी जान बचाने के लिए लोग वृद्ध को खाट पर ही उठाकर 3 किलोमीटर पतली पगडंडियों से होते हुए खड़ी 108 तक पहुंचाने को मजबूर हो गए। घंटों की मशक्कत के बाद लोगों के द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से वृद्ध को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां पहुंचाया गया।

कमलनाथ-दिग्गी के जय श्रीराम पर कांग्रेस सांसद ने जताई आपत्ति, सोनिया गांधी को लिखी चिट्ठी

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस के लोकसभा सदस्य टीएन प्रतापन ने राम मंदिर निर्माण के लिए हुए भूमिपूजन के संदर्भ में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्रियों कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की प्रतिक्रया पर आपत्ति जताते हुए पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर कहा कि कांग्रेस 'अति धार्मिक राष्ट्रवाद के पीछे नहीं भाग सकती। केरल के त्रिशूर से सांसद ने यह भी कहा कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा राम मंदिर को लेकर जो रुख अपनाया गया है वो 'स्वीकार्य है क्योंकि उन्होंने एकता की बात की। गौरतलब है कि कमलनाथ ने राम मंदिर के लिए भूमि पूजन का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने राम मंदिर का ताला खुलवाया था और बहुत समय से हर भारतवासी की आकांक्षा थी कि राम मंदिर का निर्माण हो कमलनाथ ने भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय के मुख्यद्वार पर भगवान श्रीराम की तस्वीर के सामने दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव की शुरुआत की और आरती कर भगवान राम का पूजन भी किया। दिग्विजय सिंह ने भी राम मंदिर निर्माण के आरंभ का स्वागत किया, हालांकि उन्होंने भूमि पूजन के मुहुर्त को लेकर सवाल खड़े किए। प्रतापन ने सोनिया को लिखे पत्र के बारे में पूछे जाने पर कहा, '' कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की प्रतिक्रिया बहुत खराब थी। कांग्रेस का रुख भाजपा के हिंदुत्व के रुख का समर्थन करना नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरा नाम प्रतापन है, मैं भी हिंदू हूं। मैं भगवान की अराधना करता हूं। मैं अक्सर भगवान श्रीकृष्ण के मंदिर जाता हूं और उनका आशीर्वाद लेता हूं। लेकिन हम उस हिंदुत्व का समर्थन नहीं कर सकते जो भाजपा और का है।

प्रतापन ने पत्र में कहा कि हम अति धार्मिक राष्ट्रवाद के पीछे इसके नरम स्वरूप के साथ भाग नहीं सकते। हमें इस हालात का अहसास करना चाहिए और तत्काल विकल्प को स्वीकार करना चाहिए। यह एकता, सौहार्द और सहिष्णुता की राजनीति की विरासत पर आधारित होना चाहिए। प्रतापन ने पत्र में कहा कि हम अति धार्मिक राष्ट्रवाद के पीछे इसके नरम स्वरूप के साथ भाग नहीं सकते। हमें इस हालात का अहसास करना चाहिए और तत्काल विकल्प को स्वीकार करना चाहिए। यह एकता, सौहार्द और सहिष्णुता की राजनीति की विरासत पर आधारित होना चाहिए।

अमेरिका के साथ भारत की सामरिक साझेदारी आने वाले दौर में होगी महत्वपूर्ण : राजदूत संधू

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि चूंकि भारत अपनी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने के करीब पहुंच रहा है, ऐसे में अमेरिका के साथ उसकी सामरिक भागीदारी की ताकत आने वाले दौर में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाने के करीब पहुंचने पर भारत निरंतर राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में लगा है, व्यक्तिगत आजादी का विस्तार कर रहा है और साथ ही आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ रहा है। संधू ने 'न्यूजवीक पत्रिका में बुधवार को लिखे संपादकीय में कहा कि अमेरिका के साथ भारत की स्वाभाविक साझेदारी ताकत का स्रोत होगी। उन्होंने कहा, ''भारत के हमारे लोकतंत्र की 75वें साल की ओर बढ़ने के साथ हम अपने संस्थापकों की प्रतिभा को याद करते हैं जिनमें से कई अमेरिकी संविधान के आदर्शों से प्रेरित थे। संधू ने कहा, ''वह क्षण अंत नहीं था, बल्कि राष्ट्र निर्माण की निरंतर प्रक्रिया, व्यक्तिगत आजादी के विस्तार और भारत के आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक सशक्तिकरण की शुरुआत था। इस प्रतिबद्धता को दोहराते हुए भारत की अमेरिका के साथ स्वाभाविक साझेदारी ताकत का स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ भारत की सामरिक साझेदारी की ताकत आने वाले दौर में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा, ''महामारी के दौरान हमने चिकित्सकीय सामान की कमी या एक देश पर निर्भरता के दबाव के तहत अपने उत्पादों की आपूर्ति बनाए रखने के लिए एक साथ मिलकर काम किया। भारतीय राजदूत ने कहा कि जिम्मेदार दवा निर्माता होने के नाते भारत ने चिकित्सा आपूर्ति श्रृंखला खुली रखी और यह सुनिश्चित किया कि भारत से आवश्यक दवाएं अमेरिका और अन्य साझेदार देशों तक पहुंचे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सऊदी अरब और औआईसी ने कश्मीर पर दिखाया ठेंगा, भड़के पाकिस्तान ने दी धमकी

इस्लामाबाद।

कश्मीर मुद्दे पर वैश्विक मंचों पर भारत के खिलाफ रोना रोने के बावजूद पाकिस्तान को बार-बार मुंह की खानी पड़ रही है। चीन की कठपुतली बने पाकिस् तान ने कश् मीर को लेकर अब अपने पुराने मित्र सऊदी अरब को बड़ी धमकी दे डाली है। कश्मीर को लेकर सऊदी अरब और ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस् लामिक कंट्रीज ने पाक साथ देने से साफ इंकार कर दिया है। पाकिस्तान की नापाक साजिश में साथ न देने पर भड़के पाकिस् तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने सऊदी अरब के नेतृत् व वाले संगठन को धमकाना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर पर अपने विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक बुलाने में हीलाहवाली बंद करे। एक पाकिस् तानी न्यूज चैनल को दिए साक्षात्कार में कुरैशी ने कहा, मैं एक बार फिर से पूरे सम् मान के साथ से कहना चाहता हूं कि विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक हमारी अपेक्षा है। यदि आप इसे बुला नहीं सकते हैं तो मैं प्रधानमंत्री इमरान खान से यह कहने के लिए बाध् य हो जाऊंगा कि वह ऐसे इस्लामिक देशों की बैठक बुलाएं जो कश् मीर के मुद्दे पर हमारे साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं। सऊदी अरब की मदद से पलने वाले पाकिस् तान के विदेश मंत्री ने अपने इस बयान के जरिए को एक तरह से धमकी माना जा रहा है। एक अन्य सवाल के जवाब में कुरैशी ने कहा कि पाकिस् तान और ज् यादा इंतजार नहीं कर सकता है। कुरैशी ने कहा कि पाकिस् तान ने सऊदी अरब के अनुरोध पर खुद को कुआलालंपुर शिखर सम् मेलन से अलग कर लिया था और अब पाकिस् तानी यह मांग कर रहे हैं कि सऊदी अरब कश् मीर के मुद्दे पर नेतृत्व दिखाए। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने कहा कि अगर ओआईसी के विदेश मंत्रियों की बैठक होती है तो इससे कश् मीर पर भारत को इस् लामिक देशों की ओर से स् पष् ट संदेश जाएगा। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक की बैठक न होने के पीछे एक बड़ी वजह सऊदी अरब है। सऊदी अरब ओआईसी के जरिए भारत को कश् मीर पर चित करने की पाकिस् तानी चाल में साथ नहीं दे रहा है। दरअसल, ओआईसी में किसी भी कदम के लिए सऊदी अरब का साथ सबसे ज् यादा जरूरी होता है। ओआईसी पर सऊदी अरब और उसके सहयोगी देशों का दबदबा है। बता दें कि पाकिस्तान कश् मीर से अनुच् छेद 370 के खात् मे के बाद से ही 57 मुस्लिम देशों के संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक बुलाने के लिए।

अफगान मंत्री का आरोप: पाकिस्तान की शह पर बढ़ रहा देश में आंतकवाद, आईएसआईएस खुरासान का नया प्रमुख भी पाक से

काबुल।

अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों के मंत्री मसूद अंद्राबी ने आंतकवाद को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधा है। अंद्राबी का आरोप है कि पाकिस्तान की शह पर ही देश में आंतकवाद बढ़ रहा है और ढ्स्ढ्स् खुरासान शाखा का नया प्रमुख शहाब अल्महाजिरका पाकिस्तान के हक्कानी नेटवर्क का आतंकवादी है। अंद्राबी ने हक्कानी नेटवर्क और तालिबान के बीच संबंधों को उजागर करते हुए कहा कि दो आतंकी समूह पूरे अफगाकनिस्तान में रोजान आतंकवाद को अंजाम दे रहे हैं । मई में, अफगानिस्तान के पूर्व खुफिया प्रमुख रहमतुल्लाह नबील ने चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान स्थित हक्कानी नेटवर्क पश्चिम में '9/11 शैली' हमले की योजना बना रहा है। हक्कानी नेटवर्क 1980 के दशक में उभरा और इसमें बड़े पैमाने पर ऐसे लड़ाके शामिल थे जिन्होंने उस अवधि के बाद जलालुद्दीन हक्कानी के समूह बनाए और अब सिराजुद्दीन हक्कानी के नेतृत्व में 10,000-15,000 आतंकवादी काम कर रहे हैं।अंद्राबी का यह बयान अफगानिस्तान के उत्तरी फरयाब प्रांत में दौलत अबाद जिले में हुए हमले के बाद आया है। यहां तालिबानी आतंकवादियों के ठिकाने पर हवाई हमले में चार आंतकवादी मारे गए हैं। उत्तरी क्षेत्र में सेना के प्रवक्ता मोहम्मद हनीफ रेजाई ने बुधवार को बताया कि तालिबान आतंकवादियों का एक समूह मंगलवार को प्रतिबंधित दौलत अबाद जिले के शाशपर इलाके में अफगानिस्तान सेना की चौकियों पर हमला करने के लिए एकत्रित हुए थे लेकिन वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने कल अपराह्न आतंकवादियों के ठिकाने पर हमला कर दिया जिसमें चार आतंकवादी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। बता दें कि तालिबान के शासन में अफगानिस्तान बदहाल हो गया है लेकिन 60 के दशक से पहले यहां ऐसा खूनी संघर्ष नहीं था। 1990 के दशक में तालिबान का प्रभाव बढ़ने के बाद यहां के नागरिकों का जीना मुहाल हो चुका है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 6,000-6,500 पाकिस्तानी आतंकवादी पड़ोसी देश अफगानिस्तान में हैं।

राम मंदिर पर पाक की टिप्पणी पर भारत की दो टूक, हमारे मामलों में दखल न दें तो अच्छा होगा

नेशनल डेस्क।

अयोध्या में राम मंदिर भूमि पूजन के बाद पाकिस्तान को मिर्ची लगी लेकिन भारत ने पड़ोसी देश को करारा जवाब देकर चुप करा दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय पाकिस्तान की राम मंदिर पर की गई टिप्पणी पर कहा कि पाकिस्तान को भारत के मामलों में दखल देने और साम्प्रदायिकता को शह देने से बचना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान भारत के मामलों में दखल न दे तो अच्छा होगा। वहीं विदेश मंत्रालय ने कहा कि सीमा-पार आतंकवाद में संलिप्त एक देश का यह रुख आश्चर्यजनक नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां बेहद अफसोसजनक है। बता दें कि पकिस्तान ने अयोध्या में बाबरी मस्जिद स्थल पर बुधवार को हुए राम मंदिर भूमि पूजन की आलोचना की थी। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय (एफओ) ने एक बयान में कहा कि भारतीय सुप्रीम के त्रुटिपूर्ण निर्णय ने मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया, जो न केवल न्याय पर आस्था की प्रधानताको दर्शाता है, बल्कि के को दर्शाता है, बल्कि के भारत में बढ़ते बहुसंख्यवाद को भी दिखाता है जहां अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों और उनके पूजा स्थलों पर हमले बढ़ रहे हैं।

बेरूत विस्फोट में लापरवाही की हो रही जांच, दुनिया के कई देश मदद के लिए आगे आए

बेरूत।

लेबनान की राजधानी बेरूत में हुए भयानक विस्फोट मामले के जांचकर्ता बंदरगाह के मालगोदाम में विस्फोटक पदार्थ रखे जाने में संभावित लापरवाही की जांच कर रहे हैं और सरकार ने बंदरगाह के कई अधिकारियों को नजरबंद करने के आदेश दिए हैं। लेबनान के नेता इस व्यापक क्षति से निपटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस भीषण विस्फोट के कारण अब तक करीब 150 लोगों की मौत हो चुकी है और 5,000 से ज्यादा घायल हैं। लोगों का गुस्सा सत्तारूढ़ उच्चवर्ग के खिलाफ बढ़ गया है। उनका मानना है कि लगातार कुप्रबंधन और लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ। बेरूत का बंदरगाह और राजस्व कार्यालय लेबनान की सबसे भ्रष्ट संस्थाओं के रूप में कुख्यात है। जांच इस पर केंद्रित है कि 2,750 टन अमोनियम नाइट्रेट छह वर्षों से कैसे यहां जमा होता रहा और इसके बारे में कुछ क्यों नहीं किया गया। यह एक उच्च विस्फोटक रसायन है जिसका इस्तेमाल उर्वरकों में किया जाता है। बेरूत के गवर्नर मरवान अबौद ने सऊदी के मालिकाना हक वाले टीवी स्टेशन अल-हदात को बताया कि इस विस्फोट से 10 अरब डॉलर से लेकर 14 अरब डॉलर तक का नुकसान हुआ है और करीब 3,00,000 लोग बेघर हो गए हैं। विस्फोट के बाद जहां बचाव अभियान में जुटे कर्मी शवों की गिनती और मलबों में जिंदा लोगों की तलाश में जुटे हैं, वहीं कई देशों ने संकटग्रस्त देश की मदद के लिए हाथ बढ़या है। लेबनान पहले से ही आर्थिक संकट से गुजर रहा है और इस संकट में उसकी मुश्किल को और बढ़ा दिया है। ऑस्ट्रेलिया से लेकर इंडोनेशिया और यूरोप से लेकर अमेरिका तक सहायता पहुंचाने और तलाश दल को भेजने के लिए तैयार हैं।

संक्षिप्त समाचार

पौलेंड में भी पहुंचा चीन के संदिग्ध बीजों का पार्सल, पोलिश प्रशासन ने जारी की चेतावनी

लंदन। चीन की खुराफाती हरकतें रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। अमेरिका के बाद अब पौलेंड में भी संदिग्ध बीजों का तोहफा मिला है जिससे पौलेंड सरकार की नींद उड़ गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पोलैंड के दक्षिणी शहर जवोरज़्नो निवासी एक को भी इसी तरह के बीजों का एक पार्सल मिला जिस पर चीनी भाषा में कुछ लिखा हुआ था। अनचाहा पार्सल मिलने पर महिला ने इस बारे में तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया और पार्सल से बीज सौंप दिए। पौलेंड के राज्य संयंत्र स्वास्थ्य और बीज निरीक्षण सेवा केंद्र का मानना है कि अज्ञात बीज फसलों के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। फाइटोसैनेटरी पर्यवेक्षण विभाग के प्रमुख ने चेतावनी दी है कि यह बायोटेरोरिज्म का जरिया भी हो सकते है। एक प्लांट जर्नल ने कहा, ÷इसे बायोटेरिज्म के रूप में माना जा सकता है। अगर इनसे बीमारियां पनपती हैं और बड़े नुकसान होते हैं, तो इसे बायोटेररिज्म के रूप में समझा जा सकता है । चीनी विदेश मंत्रालय ने इस बात से इंकार किया कि पार्सल से उसका कोई लेना-देना है लेकिन पार्सल पर पोस्टमार्क चीन का ही है। दरअसल, चीन से कुछ पैकेट भेजे जा रहे हैं जिन्हें लेकर प्रशासन की नींद उड़ी है। खास बात यह है कि कभी जूलरी तो कभी खिलौनों के नाम से आने वाले इन पैकेट्स के अंदर हैं बीज। ये बीज कैसे हैं और क्यों भेजे गए हैं, इसका प्रशासन को कोई अंदाजा नहीं है। इसलिए चेतावनी जारी की गई है कि लोग इन्हें बोने की गलती न करें।

भारतीय अमेरिकी चिकित्सक हिरल टिपिरनेनी एरिजोना में डेमोक्रेट पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीतीं

वाशिंगटन। भारतीय मूल की अमेरिकी चिकित्सक हिरल टिपिरनेनी ने एरिजोना से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है। इस सीट पर उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के मौजूदा सांसद डेविड श्विकर्ट से होगा। नये सर्वेक्षण से पता चला है कि वह रिपब्लिकन उम्मीदवार से महज तीन अंक पीछे चल रही हैं। इस सीट को रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ माना जाता है। टिपिरनेनी ने कहा, ''मैं एरिज़ोना के छठे कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में नामित होकर सम्मानित महसूस कर रही हूं।'' भारत से जब टिपिरनेनी का परिवार अमेरिका गया, तब वह केवल तीन वर्ष की थीं। वह और उनके पति डॉ. किशोर टिपिरनेनी एरिजोना में रहते हैं और उनके तीन बच्चे हैं। कैलिफोर्निया की भारतीय-अमेरिकी सीनेटर कमला हैरिस सहित डेमोक्रेटिक पार्टी के कई नेताओं ने उनका समर्थन किया है।

मॉडर्ना का टीका कोविड-19 से चूहों की रक्षा करने में कामयाब

वाशिंगटन। अमेरिका की जैव प्रौद्योगिकी कंपनी मॉडर्ना द्वारा विकसित टीका चूहों की सार्स कोव-2 संक्रमण से रक्षा करने में कामयाब रहा। यही विषाणु कोविड-19 की वजह है। पत्रिका 'नेचर' में बुधवार को प्रकाशित एक अनुसंधान रिपोर्ट के अनुसार एमआरएनए-1273 नाम के टीके ने चूहों में विषाणु को निष्क्रिय करने वाली एंटीबॉडीज उत्पन्न कर दीं। चूहों को एक माइक्रोग्राम के दो इंट्रामस्क्युलर इंजेक्शन दिए गए थे। अतिरिक्त प्रयोग करने पर पाया गया कि चूहों को एमआरएनए-1273 का एक एमसीजी या 10 एमसीजी टीका देने पर फेफड़े को संक्रमण से सुरक्षा मिली। अध्ययन में पाया गया कि इस टीके ने चूहों में मजबूत सीडी8 टी-कोशिका प्रतिक्रिया भी पैदा की।

ओबामा ने भारतीय मूल की सीनेट की उम्मीदवार सारा गिडियन का समर्थन किया

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने मेन राज्य में सीनेट के लिए भारतीय मूल की डेमोक्रेटिक उम्मीदवार सारा गिडियन का समर्थन किया है जिससे नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों में सीनेट के सबसे हाई प्रोफाइल मुकाबलों में से एक के तौर पर देखा जा रहा है। मेन राज्य असेंबली में अध्यक्ष गिडियन (48) रिपब्लिकन पार्टी की मौजूदा सांसद सुसन कोलिंस को कड़ी टक्कर दे रही हैं। डेमोक्रेट्स अमेरिकी सीनेट में बहुमत हासिल करने के लिए गिडियन पर नजर टिकाए हुए हैं। एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार गिडियन 39 के मुकाबले 44 प्रतिशत मतों से कोलिंस से आगे चल रही हैं। गिडियन के पिता भारतीय और मां आर्मेनिया की नागरिक हैं। कई अन्य चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में भी गिडियन को कोलिंस से मामूली अंतर से आगे दिखाया गया है। कोलिंस शक्तिशाली रिपब्लिकन सीनेटरों में से एक हैं। ओबामा ने सोमवार को एक बयान में सीनेट चुनाव के लिए गिडियन का समर्थन किया। उन्होंने देशभर के उन उम्मीदवारों की सूची जारी की जिसका उन्होंने समर्थन किया है। इनमें गिडियन भी शामिल हैं।

पाकिस्तान में कोविड-19 के 727 नए मामले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 727 नए मामले सामने आए जिसके बाद देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 2,81,863 हो गए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस से 21 और लोगों की जान चली गई। इसके बाद कोविड-19 से जान गंवाने वालों का आंकड़ा 6,035 हो गया है। सिंध प्रांत में कोविड-19 के 1,21,373 मामले हैं, जबकि पंजाब प्रांत में 93,847, खैबर-पख्तूनख्वा में 34,359, इस्लामाबाद में 15,144, बलूचिस्तान में 11,793, गिलगित-बाल्तिस्तान में 2,234 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 2,116 मामले हैं। देश में पिछले 24 घंटे में 15001 नमूनों की जांच की गई है। अबतक कुल 20,58,872 नमूनों की जांच की जा चुकी है। स्थिति में सुधार को देखते हुए शिक्षा मंत्री शफाकत महमूद ने बुधवार को घोषणा की कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो सभी शैक्षणिक संस्थान 15 सितंबर से फिर से खुलेंगे। मंत्री शफाकत महमूद ने बुधवार को घोषणा की कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो सभी शैक्षणिक संस्थान 15 सितंबर से फिर से खुलेंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार यदि सब कुछ ठीक रहा तो अधिकारी आने वाले सप्ताह में मैरिज हॉल, पार्कों और रेस्तरां को फिर से खोलने की योजना बना रहे हैं।

कोरोना के दौरान 'और अधिक आक्रामक बन गया चीन,एलएसी पर तैनात की सेना : एस्पर

वाशिंगटन।

अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने कहा कि दुनिया ने देखा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान चीन ''और अधिक आक्रामक बन गया। उन्होंने कहा कि चीन ने भारत के साथ लगने वाली वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों को तैनात किया है और वह जिस तरीके से व्यवहार कर रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुरूप नहीं है। एस्पर ने कहा कि बीजिंग कोरोना वायरस त्रासदी का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने बुधवार को कहा, ''कोविड-19 संकट के दौरान पिछले सात महीनों में हमने देखा कि चीन और अधिक आक्रामक हो गया है। एस्पर ने कहा कि चीन अपने फायदे के लिए इस त्रासदी का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, ''चीन ने सच में बढ़-चढ़कर डींगें मारी है और हमने उन्हें दक्षिण चीन सागर में लगातार बलप्रयोग करते हुए देखा है। बीजिंग दक्षिण चीन सागर के करीब 13 लाख वर्ग मील के हिस्से पर अपना दावा जताता है। चीन क्षेत्र में कृत्रिम द्वीपों पर सैन्य अड्डे बना रहा है। इस क्षेत्र पर ब्रुनेई, मलेशिया, फिलीपीन, ताइवान और वियतनाम भी अपना दावा जताते हैं। एक सवाल के जवाब में एस्पर ने कहा कि चीन ने कुछ महीनों पहले वियतनाम की मछली पकड़ने की एक नौका को डुबो दिया था।

उन्होंने कहा, ''उन्होंने भारत में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों को तैनात कर दिया। हमने उन्हें अंतरराष्ट्रीय नियमों के असंगत व्यवहार करते हुए देखा और हमारे कई सहयोगी एवं साझेदार अच्छी तरह से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच चल रहे गतिरोध के बीच उन्होंने यह टिप्पणी की है। रक्षा मंत्री ने हुवावे को बाहर का रास्ता दिखाने के लिए ऑस्ट्रेलिया तथा ब्रिटेन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि चीनी आक्रामकता से निपटने का सबसे अच्छा तरीका उसके खिलाफ बहुपक्षीय प्रयासों को बढ़ावा देना है।

पाक और चीन को नायडू की नसीहत- अनुच्छेद 370 भारत का अंदरूनी मामला, इससे रहो दूर

नेशनल डेस्क।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने पड़ोसी देशों समेत सभी राष्ट्रों को सलाह दी कि वे भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने से बचें। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का निर्णय देश की एकता, अखंडता एवं सम्प्रभुता की रक्षा के व्यापक हित में लिया गया। नायडू ने कहा कि भारत एक संसदीय लोकतंत्र है और जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने का निर्णय संसद में विस्तार से चर्चा के बाद और बहुमत से लिया गया। नायडू ने ऐसे समय में यह बयान दिया है, जब चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कश्मीर का मामला उठाने की हाल में कोशिश की थी। बयान के अनुसार नायडू चाहते हैं कि अन्य देश दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के बजाए, अपने मामलों पर ध्यान दें। उपराष्ट्रपति ने अनुच्छेद 370 को लेकर दिवंगत सुषमा स्वराज द्वारा उनके निधन से पहले व्यक्त की गई भावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि स्वराज विदेश मंत्री के तौर पर बहुत अच्छे और ''सभ्य तरीके से भारत के रुख को रखा करती थीं। लेकिन इसके साथ ही, वह दृढ़ता से देश का नजरिया पेश करती थीं। नायडू ने स्वराज को श्रद्धांजलि देते हुए, उन्हें आदर्श भारतीय महिला करार दिया। उन्होंने कहा कि स्वराज एक कुशल प्रशासक थीं, जिन्होंने हर उस पद पर अपनी अमिट छाप छोड़ी, जिसकी जिम्मेदारी उन्होंने निभाई। नायडू ने कहा कि वह सात बार लोकसभा एवं तीन बार विधानसभा में चुनी गईं और यह बात दर्शाती है कि वह लोगों में कितनी लोकप्रिय थीं। उपराष्ट्रपति ने स्वराज के गुणों के बारे में बताते हुए कहा कि किसी भी समस्या से निपटने में उनकी समझ, मानवीय स्वभाव और तत्परता उस समय सोशल मीडिया पर साफ दिखाई दी, जब वह विदेश मंत्री थी। उन्होंने कहा कि करोड़ों देशवासी स्वराज से स्नेह करते थे और वह हालिया समय में सबसे लोकप्रिय भारतीय विदेश मंत्रियों में शामिल थीं। नायडू ने कहा कि स्वराज एक राष्ट्रवादी नेता थीं और हमेशा अपनी बात बेबाकी से रखती थीं। उन्होंने बताया कि स्वराज रक्षाबंधन पर उन्हें राखी बांधा करती थीं। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश कुछ दिन पहले रक्षाबंधन मना रहा था, तब मैं उनके साथ अपने लगाव को याद करके भावुक हो गया था। इस मौके पर स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज भी मौजूद थीं।

पहली बार रक्षा मंत्रालय ने मानी चीन के लद्दाख में घुसपैठ की बात, कहा- लंबा चलेगा विवाद

नेशनल डेस्क। भारत और चीन के बीच कूटनीतिक और सैन्य स्तर की बैठकों के बावजूद भी पूर्वी लद्दाख में तनाव कम होता दिखाई नहीं दे रहा है। अपनी ओछी हरकतों से मजबर चीन लगातार सरहद के पास सेना की बढ़ोत्तरी करता जा रहा है। अब इसी बीच रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर माना है कि चीन ने भारतीय इलाकों में घुसपैठ की है। रक्षा मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर एक डॉक्यूमेंट अपलोड किया है जिसके मुताबिक, लद्दाख के कई इलाकों में चीनी सेना के अतिक्रमण की घटनाएं बढ़ी हैं। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए दस्तावेज के मुताबिक 5 मई से गलवान में चीन की गतिविधियां बढ़ी थी। चीनी ने कुगरांग नाला, गोगरा यानी 17 और पैंगोंग लेक के नॉर्दर्न बैंक पर 17-18 मई को घुसपैठ की थी। मंत्रालय ने यह भी माना कि ये विवाद लंबा चल सकता है। भारत चीन के बीच विवाद के खत्म करने के लिए दोनो देशो के कोर कमांडर के बीच 5 बार बातचीत हो चुकी है। एलएसी पर तनाव तो कम है लेकिन हालात में किसी तरह का बदलाव नहीं है। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साक्षात्कार में कहा था कि चीनी सैनिकों की एक बड़ी संख्या पहले की तुलना में थोड़ा आगे आ गई थी। लेकिन आधिकारिक रूप से इस बात को स्पष्ट किया गया था कि इसकी गलत तरीके से इस तरह से व्याख्या नहीं की जानी चाहिए कि चीनी सैनिकों ने एलएसी के भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया है। गलवान घाटी में 15 जून को चीनी बलों के साथ झड़प में 20 भारतीय जवानों के शहीद होने के बाद भारत ने हजारों अतिरिक्त बलों और हथियारों को पूर्वी लद्दाख में सीमा के पास भेजा था।

संसदीय चुनाव की मतगणना शुरू, राजपक्षे की पार्टी जीतने की संभावना

कोलंबो।

श्रीलंका में संसदीय चुनाव की मतगणना बृहस्पतिवार को शुरू हो गई, जिसमें राजपक्षे परिवार द्वारा संचालित श्रीलंका पीपुल्स पार्टी के जीतने की संभावना है। इससे पहले यह चुनाव दो बार स्थगित हो चुके हैं। राष्ट्रीय चुनाव आयोग के अध्यक्ष महिंदा देशप्रिय ने बताया कि कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बीच हुए चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए, जिसमें 70 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। एक न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार मतगणना शुरू होने के साथ ही एसएलपीपी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय संगठक बासिल राजपक्षे ने कहा कि उनकी पार्टी नयी सरकार के गठन के लिए तैयार है। बासिल, राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री पद के दावेदार महिंदा राजपक्षे के भाई हैं। उन्होंने कहा, ''हमें पूरा विश्वास है कि एसएलपीपी ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। हम चुनाव में दो-तिहाई बहुमत की उम्मीद कर रहे हैं लेकिन इसका फैसला तो लोग ही करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि राष्ट्रपति गोटबाया और प्रधानमंत्री महिंदा के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था बेहतर होगी। चुनाव आयोग के अध्यक्ष देशप्रिय ने कहा कि परिणाम बृहस्पतिवार शाम तक घोषित किए जाएंगे। महिंदा राजपक्षे ने मतदान के बाद संवाददाताओं से कहा था, ''हमें दो-तिहाई बहुमत से जीत की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उनके छोटे भाई को पिछले साल दिसंबर में 69 लाख मतदाताओं ने समर्थन देकर राष्ट्रपति बनाया था और उन्हें इसी तरह का समर्थन इस बार मिलने की उम्मीद है। बता दें कि महामारी की वजह से दो बार इस चुनाव को टालना पड़ा था। संसद के 225 सदस्यों के पांच साल तक के निर्वाचन के लिए चुनाव हो रहे हैं। करीब 1.6 करोड़ लोगों को 225 सांसदों में से 196 के निर्वाचन के लिए मतदान करने का अधिकार है। वहीं 29 अन्य सांसदों का चयन प्रत्येक पार्टी द्वारा हासिल किए गए मतों के अनुसार बनने वाली राष्ट्रीय सूची से होगा। पहले यह चुनाव 25 अप्रैल को होने वाले थे लेकिन कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर इसकी तारीख बढ़ाकर 20 जून की गई। इसके बाद स्वास्थ्य अधिकारियों के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए चुनाव की तारीख आगे बढ़ाकर पांच अगस्त कर दी गई।

वहीं 29 अन्य सांसदों का चयन प्रत्येक पार्टी द्वारा हासिल किए गए मतों के अनुसार बनने वाली राष्ट्रीय सूची से होगा। पहले यह चुनाव 25 अप्रैल को होने वाले थे लेकिन कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर इसकी तारीख बढ़ाकर 20 जून की गई। इसके बाद स्वास्थ्य करीब 20 राजनीतिक दलों और 34 स्वतंत्र समूहों के 7,200 से ज्यादा उम्मीदवार 22 चुनावी जिलों से मैदान में हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से ही बॉलीवुड में नेपोटिज्म का मुद्दा एकबार फिर से गर्मा गया है. करीना कपूर ने भी अब इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ी है.

नेपोटिज्म पर ऐसा बयान देकर कंगना के निशाने पर आईं करीना कपूर

ट्वीट कर सुनाई ये बातें

सुशांत सिंह राजपूत (Sushant Sing Rajput) की मौत के बाद से ही बॉलीवुड में नेपोटिज्म का मुद्दा एकबार फिर से गर्मा गया है और हर कोई इस बारे में अपनी-अपनी राय रख रहा है. गौरतलब है कि एक्ट्रेस कंगना रनौत (Kangana Ranaut) बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद को लेकर कड़ा रुख अपनाती आई हैं और सुशांत की मौत के बाद से उनके निशाने पर बड़े-बड़े लोग हैं. इसी बीच एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने अपने अनुभवों और फिल्मी सफर के बारे में बात की और ये भी बताया कि फिल्मी घराने से संबंध रखना आपकी मुश्किलों को कितना कम कर देता है. एक इंटरव्यू में करीना कपूर खान (Kareena Kapoor Khan) ने कहा, '21 साल तक फिल्म इंडस्ट्री में मैं सिर्फ नेपोटिज्म के चलते नहीं टिक पाती. यह संभव नहीं है. मैं उन सुपरस्टार्स के बच्चों की एक लंबी लिस्ट बना सकती हूं जो ये नहीं कर पाए.' करीना ने कहा कि कपूर खानदान से आने पर उन्हें प्राथमिकताएं मिली हैं. लेकिन इसके बावजूद खुद को साबित करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत भी की है. करीना ने कहा उन्हें नहीं लगता कि उन्होंने जो कुछ भी पाया है वो सिर्फ कपूर परिवार का टैग होने की वजह है. बेबो ने आगे कहा, 'यह अजीब लग सकता है लेकिन शायद मेरा संघर्ष वहीं है. मेरा संघर्ष आपको उतना दिलचस्प नहीं लगेगा, जितना किसी उस स्ट्रगलर का लगेगा जो जेब में 10 रुपये लेकर मुंबई आया हो. हां मैंने वो संघर्ष नहीं किया लेकिन इसके लिए दुखी नहीं हो सकती.'

करीना कपूर के इस बयान पर कंगना की टीम ने ट्वीट्स करके कई सवाल पूछे हैं. ट्वीट में लिखा, 'करीना जी, आप सबको दर्शकों ने दौलतमंद और मशहूर बनाया, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि उम्मीद से अधिक सफलता बॉलीवुड को बुलीवुड में बदल देगी. कृप्या इन सवालों के जवाब दीजिए.

1- आपके बेस्ट फ्रेंड ने कंगना को इंडस्ट्री छोड़ने के लिए क्यों कहा था ?

2- बड़े प्रोडक्शन हाउसेज ने सुशांत को बैन क्यों कर दिया था ?

3- उन्होंने कंगना को विच और सुशांत को दुष्कर्मी क्यों कहा ?

4- आपके ईको सिस्टम में कंगना और सुशांत को बाइपोलर क्यों कहा जाता है ?

5- आपके ही जैसे एक नेपो किड ने शादी का वादा करके कंगना के खिलाफ केस क्यों किया ?

6- कंगना और सुशांत इंडस्ट्री में अलग-थलग क्यों कर दिये गये ? उन्हें पार्टी में क्यों नहीं बुलाया जाता ? क्यों कोई उन्हें फिल्म रिलीज, बर्थडे और कामयाबी पर बधाई नहीं देता ? बताते चलें कि, नेपोटिज्म के इस मुद्दे पर कंगना रनौत लागातार बोलती आ रही हैं. कंगना ने कई बॉलीवुड सेलेब्स जैसे करण जौहर, आलिया भट्ट, स्वरा भास्कर को घेरा है. सुशांत सिंह राजपूत के मौत के बाद से ही इस मुद्दे ने तुल पकड़ा हुआ है. इसी के चलते कई सितारों के इंस्टाग्राम फॉलोअर्स में भारी गिरावट देखा गया, कुछ ने तो अपना अकाउंट प्राइवेट तक कर डाला है.

बॉलीवुड में कई शानदार फिल्में कर चुकीं काजोल नहीं बनना चाहती थीं एक्ट्रेस

बचपन में काजोल (Kajol) बस एक बात जानती थीं कि बड़े होकर उन्हें बहुत पैसे कमाने हैं. कैसे ? वो उन्हें नहीं पता था. काजोल की मां तनुजा मराठी भाषी थीं और पिताजी शोमू मुखर्जी बांग्ला भाषी. बचपन में काजोल ने ऐसे दिन भी देखे, जब उनके घर में पैसों की तंगी हो जाती थी. पापा की बनाई फिल्में नहीं चल रही थीं और मम्मी को पैसा कमाने के लिए फिल्मों में काम करना पड़ता था.

बनना चाहती थीं अमीर

काजोल ने अपनी मां को फिल्मों में काम करते हुए देखा था. बचपन में कई बार उनके साथ फिल्मों की शूटिंग में भी गई थीं. मां शूटिंग के लिए तैयार होतीं, टेक पर टेक होते थे. काजोल को यही समझ में आया कि फिल्मों में जितनी मेहनत होती है उसके हिसाब से पैसे नहीं मिलते. यह एक बहुत बड़ी वजह थी कि जब भी बचपन में कोई उनसे पूछता कि तुम बड़ी हो कर क्या बनोगी, अपनी नानी, नूतन मौसी या मां की तरह एक्ट्रेस ? तो वह पलट कर कहतीं कि मुझे एक्ट्रेस नहीं बनना, मुझे तो ऐसा काम करना है, जिसमें बहुत पैसे मिलते हों.

एवरेज थी पढ़ने में

काजोल का मन स्कूल की पढ़ाई में कम लगता था. वह सारा दिन कॉमिक्स, कहानी की किताबें और नॉवेल्स पढ़ती रहती थीं. जब तनुजा ने देखा कि उनका आगे पढ़ने का इरादा नहीं है तो उन्होंने कहा, तुम फिल्मों में काम कर लो. सोलह साल की उम्र में काजोल ने 'बेखुदी' फिल्म साइन कर ली. इस फिल्म में काम करने के बाद उन्हें लगा कि वो एक्टिंग कर सकती हैं और एक्टिंग करने के अच्छे पैसे भी मिलते हैं.

गंभीर रोल्स से डर जाती थीं काजोल को ऐसे रोल नहीं पसंद थे जिनमें उन्हें आंसू बहाने पड़ें. शुरुआत में ही 'उधार की जिंदगी' जैसी फिल्म करने के बाद काजोल ने अपनी मां तनुजा से कह दिया कि वो सिर्फ कॉमेडी फिल्म या हल्की-फुल्की फिल्में ही करेंगी. उन्हें सीरियस रोल्स करना पसंद नहीं था. काजोल को एक्टिंग का असली पाठ शाहरुख खान ने 'बाजीगर' के दौरान पढ़ाया, यह कहते हुए कि तुम एक अच्छी अदाकारा हो, हर तरह के रोल करो. गंभीर फिल्मों को भी एंजॉय करना सीखो. एक्टिंग से प्यार नहीं करोगी तो कभी फिल्मों में टिक नहीं पाओगी. काजोल ने इस बात को आजमा कर देखा. इसके बाद उन्होंने कभी शिकायत नहीं की कि वो गंभीर या रोने-धोने वाले रोल्स नहीं करेंगी.

नसीरुद्दीन शाह अब फिल्मों में नहीं निभाना चाहते पिता का किरदार, करना चाहते हैं अपने पंसद का काम

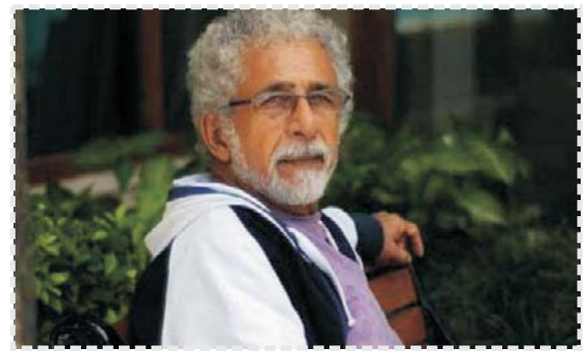

अभिनेता नसीरुद्दीन शाह का कहना है कि वह सामान्यतः अपने मन के अनुसार काम करते हैं लेकिन अब वे ऐसे काम करना चाहते हैं जिनमें उन्हें आनंद मिले। अभिनेता ने कहा कि नीरज पांडेय की फिल्म 'अ वेडनसडे' भी उनकी कुछ यादगार फिल्मों में शामिल है जिसमें उन्होंने अपनी पसंद का काम किया था लेकिन इसके साथ ही फिल्म से जुड़ी कुछ बातों का उन्हें पछतावा भी है। उन्होंने पीटीआई-से एक जूम साक्षात्कार में कहा,'' जीवन के इस स्तर पर, मैं महान किरदार नहीं निभाना चाहता हूं। अब तक मैंने बहुत सारे ऐसे किरदार निभा लिए हैं। मैं उन परियोजनाओं में काम करना चाहता हूं जहां मैं खुद आनंद ले सकूं और जिससे मुझे कुछ सीखने को मिले। मैं किसी फिल्म में पिता का किरदार नहीं निभा सकता चाहे वह फिल्म मेरे किसी करीबी की ही क्यों ना हो।" भारत के सबसे चहेते अभिनेताओं में से एक शाह ने कहा कि 15 साल पहले जब वे छोटे किरदार निभाते थे तबसे अब तक उनके नजरिए में काफी बदलाव आया है।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने के बाद 1970 में फिल्म एवं टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) में अध्ययन करने वाले शाह ने 70 और 80 के दशक के दौरान भारतीय सिनेमा में खुद को स्थापित किया। 'निशांत', 'जाने भी दो यारो', 'इजाज़त', 'बाजार', 'कथा', 'मासूम' और 'मिर्च मसाला' जैसी फिल्मों में अपनी बेबाक अदाकारी से छाप छोड़ने के साथ ही उन्होंने 'हीरो हीरालाल', 'कर्मा', 'त्रिदेव', 'विश्वात्मा', 'चमत्कार' और 'मोहरा' जैसी व्यवसायिक फिल्मों में भी काम किया।। अभिनेता ने कहा कि जब वह फिल्मों में आए थे तो उस समय 'प्रशिक्षित' अभिनेताओं के प्रति इंडस्ट्री में एक प्रकार की नाराजगी थी। उन्होंने कहा,"आक्रोश अनुचित नहीं था, क्योंकि इनमें से बहुत सारे तथाकथित प्रशिक्षित अभिनेता अभिनय करने में पूरी तरह अक्षम थे।

B'day: अजय देवगन को काजोल ने किया था प्रपोज, घर की छत पर रचाई थी दोनों ने शादी

बॉलीवड में अपनी चुलबली अदाओं से सबको दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस काजोल (Kajol) आज 46 साल की हो गई हैं. 5 अगस्त 1974 को जन्मी काजोल ने जब अपनी पहली फिल्म 'बेखुदी' साइन की तब वे 16 साल की थीं और स्कूल में पढ़ाई कर रही थीं. उन्होंने फिल्मों में करियर बनाने के लिए स्कूल छोड़ दिया. कजोल की गिनती बॉलीवुड में काफी सफल अभिनेत्रियों में होती है. आइए उनके बर्थडे पर जानें कुछ रोचक बातें.

*काजोल फिल्मी परिवार से हैं. उनके पिता शोमू मुखर्जी निर्माता-निर्देशक रहे हैं. उनकी मां तनुजा, मौसी नूतन, नानी शोभना समर्थ और परनानी रतन बाई प्रसिद्ध अभिनेत्री रही हैं.

*काजोल अपने मुंहफट व्यवहार के लिए जानी जाती हैं. वह बात मन में नहीं रखती और उनके हिसाब से वह 100 में से 99 लोगों को पसंद नहीं करतीं.

*काजोल और शाहरुख खान की जोड़ी बेहद सफल रही है और दोनों की साथ में की गई कोई भी फिल्म फ्लॉप नहीं रही. 'बाजीगर', 'करण अर्जुन', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'माई नेम इज खान' ब्लॉकबस्टर रही हैं.

*फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' की टाइटल को जहां सभी ने पसंद किया, वहीं काजोल ने इसे 'टपोरी' करार दिया था. यह टाइटल अनुपम खेर की पत्नी किरण खेर ने सुझाया था.

*पद्मश्री से सम्मानित काजोल 6 फिल्मफेअर अवॉर्ड्स जीत चुकी हैं.

काजोल-अजय की लव स्टोरी

आमतौर पर प्रेम संबंध में कोई लड़का किसी लड़की को प्रपोज करता है, लेकिन यहां काजोल ने अजय देवगन को प्रपोज किया था. अजय देवगन और काजोल की मुलाकात पहली बार फिल्म 'हलचल' के सेट पर हुई थी, पहली मुलाकात में काजोल को लगा कि अजय बहुत घमंडी हैं, लेकिन बाद में उनका ये भ्रम दूर हो गया और दोनों में दोस्ती हो गई. बताया जाता है कि काजोल अपने बॉयफ्रेंड से जुड़ी सलाह अजय देवगन से लिया करती थीं. काजोल और अजय एक-दूसरे के अच्छे दोस्त बन गए, लेकिन कब उनकी ये दोस्ती प्यार में बदल गई उन्हें पता ही नहीं चला. दिलचस्प बात तो यह है कि दोनों में से किसी ने भी एक-दूसरे को प्रपोज नहीं किया, पर दोनों को इस बात का अहसास था कि वो एक-दूसरे के साथ ही रहना चाहते हैं.

घर के टैरेस पर हुई दोनों की शादी

अजय और काजोल ने शादी करने का फैसला किया, लेकिन अजय ग्रैंड तरीके से शादी बिल्कुल भी नहीं करना चाहते थे, इसलिए वो अपने बेडरूम से तैयार होकर अपने घर के छत पर गए, जहां शादी की सारी रस्में निभाई गई. उन्होंने घर की छत पर काजोल के साथ सात फेरे लिए और वापस अपने कमरे में आ गए. दोनों ने 24 फरवरी 1999 को शादी की थी.

अजय को नापंसद करती थी काजोल की फैमिली

दरअसल, नेहा धूपिया के रेडियो शो #NoFilterNeha में काजोल ने कहा, 'कोई नहीं चाहता था कि मैं और अजय शादी करें. मेरा परिवार बहुत कन्फ्यूज्ड था. जब मैंने पापा को कहा कि मैं अजय से शादी करना चाहती हूं तो उन्होंने एक हफ्ते तक मुझसे बात नहीं की.' काजोल के पिता ने कहा था कि उनका करियर बहुत अच्छा चल रहा था और शादी के लिए उनकी उम्र भी बहुत कम थी. लेकिन काजोल अपनी बात पर अड़ी रह.

हनीमून के दौरान अजय ने बनाए बहाने

काजोल ने हनीमून से जुड़े भी कई किस्से शेयर किए थे. उन्होंने बताया कि मेरी शर्त थी कि हम 2 महीने के लिए हनीमून पर जाएंगे. आस्ट्रेलिया, लॉस वेगास और कई जगहें घुमने के 40 दिन बाद जब हम ग्रीस पहुंचे तो अजय काफी थक चुके थे. काजोल ने कहा कि एक सुबह अजय उठे और बोले, मुझे बुखार आ रहा है और तेज सिर दर्द हो रहा है. मैंने कहा कि मैं आपको दवाइयां दे देती हूं. लेकिन अजय बार-बार यही कह रहे थे, मेरी तबियत ठीक नहीं है. अजय ने कहा कि, 'घर चलो'. ऐसे में हम बीच हनीमून से मुंबई वापस आ गए.

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोविड अस्पताल में लगी आग आठ की मौत

अहमदाबाद (एजेसी)। अहमद. ाबाद में कोविड–19 के मरीजों के उपचार के लिए चिह्नित एक निजी अस्पताल के आईसीयू वार्ड में आग लगने से गुरुवार को आठ मरीजों की मौत हो गई। अधि ाकारी ने बताया कि अहमदाबाद में नवरंगपुर इलाके के श्रेय अस्पताल में गुरुवार तड़के आग लग गई। उन्होंने बताया कि अस्पताल में कोविड–19 के करीब 40 अन्य मरीजों को बचा लिया गया और उन्हें शहर के एक अन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार यहां 50 कोरोना मरीजों का इलाज चल रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अस्पताल प्रशासन पर दमकल कर्मियों को देर से बुलाने का आरोप है।

पीएम ने जताया शोक

वहीं घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ट्वीट करके लिखा, अहमदाबाद के अस्पताल में आग लगने से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदना हैं। आशा करता हूं कि घायल जल्द ठीक हो जाएंगे। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और मेयर बिजल पटेल से स्थिति के बारे में बात की।

प्रशासन प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने किया मुआवजे का एलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो–दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। वहीं आग लगने से घायल हुए मरीजों को 50,000 रुपए की राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेश

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने अहमदाबाद के श्रेय अस्पताल में आग लगने की घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह विभाग) संगीता सिंह जांच का नेतृत्व करेंगी। मुख्यमंत्री ने तीन दिन में रिपोर्ट देने का आदेश दिया है।

यह जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा दी गई है।

अस्पताल अग्निकांड : मृतकों के आश्रितों को 4–4 की सहायता का ऐलान

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने अहमदाबाद के नवरंगपुरा इलाके में स्थित श्रेय हॉस्पिटल की आग दुर्घटना में जान गंवाने वाले मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की हैद्य साथ ही प्रत्येक मृतक के आश्रित को मुख्यमंत्री राहत कोष से 4 लाख रुपए की सहायता देने की घोषण ाा की है।

मुख्यमंत्री ने इस घटना में घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता देने का निर्णय किया है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2–2 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की हैद्य घटना के बाद पीएम मोदी ने घटना पर शोक व्यक्त किया हैद्य उन्होंने ट्वीट कर लिखा शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदना हैद्य आशा करता हूं कि घायल जल्द ठीक हो जाएंगेद्य मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और अहमदाबाद के महापौर बिजल पटेल से स्थिति के बारे में बातचीत की हैद्य प्रशासन प्रभावितों को हरसंभव सहायता मुहैया करवा रहा है।

श्रेय अस्पताल के मृतकों के श्रद्धाजंलि देने जमा हुए कांग्रेस कार्यकर्ता हिरासत में

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, शहर के नवरंगपुरा क्षेत्र के श्रेय अस्पताल में गुरुवार तड़के आग लगने से 8 मरीजों की मौत हो गई थी।

मृतकों को श्रद्धाजंलि देने के लिए अहमदाबाद शहर कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में लॉ गार्डन के निकट जमा हुए थेद्य जहां मोमबत्ती जलाकर मृतकों को श्रद्धाजंलि देना था।

लेकिन पुलिस ने कार्यक्रम से पहले ही अहमदाबाद शहर कांग्रेस प्रमुख शशीकांत पटेल समेत कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेना शुरू कर दियाद्य बता दें कि अहमदाबाद के नवरंगपुरा क्षेत्र के श्रेय अस्पताल में गुरुवार तड़के आग लग गई थी। श्रेयस अस्पताल को कोरोना मरीजों के उपचार के लिए चिन्हित किया गया था और घटना के वक्त अस्पताल में 50 मरीज थे। अस्पताल के चौथे मंझिल पर आग लगी थी और

गुजरात में आगामी 48 घंटे भारी बारिश की संभावना

अहमदाबाद, मौसम विभाग ने आगामी 48 घंटों के दौरान गुजरात में भारी बारिश की संभावना जताई है, जिसे देखते हुए राज्य के अलग अलग जोन में एनडीआरएफ की 9 टीमों को तैनात कर दिया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 48 घंटों के दौरान सौराष्ट्र के पोरबंदर, जामनगर, जूनागढ़, अमरेली और गिर सोमनाथ में भारी बारिश हो सकती हैद्य वहीं दक्षिण गुजरात के तटीय क्षेत्र में भारी बारिश का अनुमान हैद्य भारी बारिश की संभावनाओं को देखते हुए राज्य में एनडीआरएफ की टीमों को तैनात कर दिया गया है।

दक्षिण गुजरात में 3 और सौराष्ट के अलग अलग जिलों में एनडीआरएफ की 5 टीमों को तैनात किया गया हैं। जबकि गांधीनगर में एनडीआरएफ की एक टीम स्टेन्ड बाय रखी गई हैं।

इस दौरान सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक राज्य की 101 तहसीलों में बारिश होने की खबर हैद्य सबसे अधिक बारिश देवभूमि द्वारका में दर्ज हुईद्य देवभूमि द्वारका के कल्याणपुर में 3.5 ईंच बारिश हुईद्य वहीं द्वारका के खंभालिया और भाणवड में 2 इंच, कच्छ के मुंद्रा में 2.5 ईंच जितनी बारिश हुईद्य दाहोद के लीमखेड में 2 ईंच, जामनगर के लालपुर में 2 ईंच, साबरकांठा में तलोद में 2, साबरकांठा के प्रांतिज 2 ईंच बारिश हुईं।

गुजरात भाजपा प्रमुख ने श्रेय अस्पताल दुर्घटना पर शोक जताया

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद , गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने अहमदाबाद के नवरंगपुरा क्षेत्र के श्रेय अस्पताल दुर्घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों की आत्मा को शांति और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की हैं।

साथ ही घायलों के जल्द स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना की।

सीआर पाटील ने कहा कि प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करने के साथ ही गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और अहमदाबाद की महापौर बीजल पटेल से टेलीफोनिक बातचीत कर स्थिति का जायजा लिया।

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री राहत कोष से पीड़ित परिवार को 2–2 लाख रुपए और घायलों को 50–50 हजार रुपए की सहायता देने की घोषणा की है।

पाटील ने कहा कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरे मामले की उचित जांच और दोषियों को तत्काल सजा मिले, इस उद्देश्य से दो वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्त कर जांच का आदेश दिया है। साथ ही मृतकों के आश्रितों को रु. 4–4 लाख और घायलों को 50–50 हजार रुपए की सहायता देने का ऐलान किया है।

सीआर पाटील ने भाजपा परिवार की ओर से वे मृतकों के परिजनों को सांत्वना दीं।

मुख्यमंत्री आज देंगे योग कोच और योग ट्रेनरों को प्रमाण पत्र

अहमदाबाद (गुजरात सरकार द्वारा गठित गुजरात राज्य योग बोर्ड के माध्यम से योग की गतिविधियों को गति प्रदान कर पूरे राज्य में जन–जन तक योग का प्रचार–प्रसार करने और योग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए योग कोच और योग ट्रेनर को प्रशिक्षण दिया जाता है। गुजरात राज्य योग बोर्ड की जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत सफलतापूर्वक योग ट्रेनिंग पूरी करने वाले योग कोच और योग ट्रेनर को शुक्रवार, 7 अगस्त को गांधीनगर में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी प्रमाण पत्र वितरित करेंगे।

भाजपा नेता है श्रेय अस्पताल का संचालक पिता कांग्रेस सरकार में मंत्री थे

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, शहर के नव. रंगपुरा क्षेत्र के श्रेय अस्पताल में आग की घटना में 8 मरीजों की मौत के बाद अस्पताल संच. ालक भरत महंत और मैनेजर को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

भरत महंत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई हैं।

भरत महंत समेत उनके परिवार का कांग्रेस से नाता रहा हैं।

कांग्रेस ने 2002 में कुतियाणा विधानसभा सीट से भरत महंत को टिकट दिया थां। अप्रैल 2019 में भरत महंत भाजपा में शामिल हो गए। जामनगर के मूल निवासी भरत महंत फिलहाल गांधीनगर में रहते हैं। भरत महंत के पिता विजयदास महंत कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। माधवसिंह सोलंकी सरकार में शिक्षा मंत्री रहे विजयदास महंत चार साल के लिए गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख थे। पिता विजयदास महंत के मंत्री रहते हुए उन्हें गांधीनगर में प्लाट मिला था।

330 मीटर प्लाट पर महंत परिवार ने आलीशान मकान बनाया है।

7 संतानों की माता 5 संतानों के पिता के साथ फरार

दाहोद , फतेपुरा तहसील के नींदका गांव निवासी 7 संतानों की माता 5 संतानों के पिता के साथ भाग जाने की घटना सामने आई है।

पति ने अपीन पत्नी वापस लाने के लिए पुलिस से गुहार लगाई है। जानकारी के मुताबिक दाहोद जिले की फतेपुरा तहसील के नींदका गांव निवासी एक युवक की 20 साल पहले सामाजिक रीति रिवाज से मारगाला गांव की युवती से शादी हुई थी।

20 साल के वैवाहिक जीवन में 2 पुत्र और 5 पुत्रियों समेत 7 संतानें हुईं,

जिन्हें बड़े ही लाड़ प्यार से पाला दो दशक के वैवाहिक जीवन के बाद पति–पत्नी के बीच के कोई

मतभेद हुआ या किसी कारणों से विवाहिता पांच संतानों के पिता से प्यार करने लगीं। एक–दूजे के प्यार में पागल दोनों अपनी संतानों की परवाह किए बगैर एक दिन घर से भाग गए। इतना ही नहीं फरार होने के बाद वॉट्सएप के जरिए दोनों अपनी तस्वीरें भी भेज रहे हैं, जैसे उन्हें पकड़े जाने का कोई डर नहीं हैं। 20 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विश्वासघात कर फरार पत्नी को वापस के लिए पति ने पुलिस से गुहार लगाई है।

जल– जमीन और पर्यावरण को दूषित होने से रोकने प्राकृतिक कृषि अपनानी होगीःराज्यपाल

अहमदाबाद , गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने आज मसूरी की लालबहादुर शास्त्री नेशनल अकादमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन संस्था में प्रशिक्षण ले रहे वर्ष 2018 बैच के 185 जितने ट्रेनी ऑफिसर्स को प्राकृतिक कृषि संबंधी सत्र में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि जल– जमीन और पर्यावरण को दूषित होने से रोकने और जहरमुक्त खाद्यान्न उत्पादन के लिए किसानों को रासायनिक कृषि के मजबूत विकल्प के तौर पर पद्मश्री सुभाष पालेकर प्राकृतिक कृषि अपनानी होगी। राज्यपाल ने प्रकृति के साथ जुड़कर खेती और खेती के विकास के लिए चिंतन के रूप में सुभाष पालेकर प्राकृतिक कृषि मॉडल को प्रशिक्षुओं के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद देशभर खाद्यान्न की कमी उत्पन्न हुई थी, तब हरित क्रांति अपनाकर भारत ने खाद्यान्न क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त की थी। परंतु अब रासायनिक कृषि और जहरी

मसूरी में प्रशिक्षण ले रहे 185 आईएएस ट्रेनी ऑफिसर्स को प्राकृतिक कृषि पर दिया मार्गदर्शन

कीटनाशकों का उपयोग करने के दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। कैंसर, डायबिटीज और हृदयरोग जैसी असाध्य बीमारियों का बढ़ रहा प्रमाण रासायनिक कृषि की ही देन है।

रासायनिक खतरे एवं कीटनाशकों के ज्यादा उपयोग से कृषि उत्पादन दूषित हुआ और जमीन की उत्पादकता कम हुई है।

दिन– प्रतिदिन खेती महंगी बनती गई और किसानों का आर्थिक बोझ बढ़ता गया है। इस क्षेत्र में नये सिरे से विचार करने का समय आ गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)